संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 72
पृष्ठ 8
शनिवार
29 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में ड्राई स्किन? अपनाएं ये....

विचार- कांग्रेस के लिए गंभीर आत्मचिंतन ...

खेल- अगले महीने श्रीलंका से पांच टी20...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिया विश्व एकता और शांति पर जोर, कहा-

मौजूदा दौर में वसुधैव कुटुंबकम का विचार और अधिक प्रासंगिक

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विश्व एकता और शांति पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में जब विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तो वसुधैव कुटुंबकम का विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां लखनऊ के सुलतानपुर मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग सेंटर गुलजार उपवन में राज्य स्तरीय वार्षिक विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) समारोह की शुरुआत करने के बाद प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है, अर्थात संपूर्ण विश्व हमारा परिवार है और आज जब विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तो यह (वसुधैव कुटुंबकम) विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है। राष्ट्रपति ने देश में आए बदलावों और नयी उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज का मनुष्य पहले की अपेक्षा तकनीकी रूप से बहुत सक्षम है और आगे बढ़ने के अवसर हैं लेकिन समाज में उन्नति के साथ–साथ तनाव, मानसिक असुरक्षा, अविश्वास और एकाकीपन बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने सुझाव देते हुए कहा, आज आवश्यक है कि हम केवल आगे बढ़ने की ही नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर झांकने की यात्रा भी शुरू करें। इसका कदम ब्रह्माकुमारीज ने उठाया है, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं। मुर्मू ने मानव स्वभाव की विवेचना करते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि दूसरे पर विश्वास करें, लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत हो, विचार स्वच्छ हों और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा, जब हम कुछ क्षण रुक कर स्वयं से संवाद करते हैं तो इस बात का अनुभव होता है कि शांति और आनन्द किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाता है। राष्ट्रपति ने कहा, शांत और स्थिर मन समाज में शांति का बीज बोता है तथा वहीं से विश्व शांति और विश्व एकता की नींव बनती है। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की आधारशिला रही है। राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारी को सजे हुए कलश और ब्रह्माकुमारों को झंडे प्रदान किये, जिनकी यात्रा उत्तर प्रदेश के कोने–कोने में जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्था ने श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की ओर अग्रसर करने की दिशा में कदम उठाया और यह वैश्विक चेतना का आरंभ था। यह आध्यात्मिक वटवृक्ष 136 देशों में अपनी सुगंध बिखेर रहा है और इसकी शाखाएं दिलों को जोड़ रही है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गौरव का क्षण है जब विश्व एकता जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर एक बड़े अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। योगी ने कहा, एक राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख के साथ ही राष्ट्रपति का जीवन एक शिक्षक के रूप में प्रेरणादायी रहा है और इन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने जीवन को आगे बढ़ाया। एक पार्षद से लेकर राष्ट्रपति तक उनकी जीवन यात्रा हर भारतीय के लिए एक उदाहरण है। इसके पहले उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमौसी हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

उडुपी में पीएम मोदी का संकल्प: कहा-

नया भारत नहीं झुकेगा, सुदर्शन चक्र से होगा शत्रुओं का संहार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के उडुपी स्थित श्री कृष्ण मठ में लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नए भारत की शक्ति और संकल्प का आह्वान किया। राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सुदर्शन चक्र दुश्मनों को तबाह कर देगा। हमने ऑपरेशन सिंदूर में यह देखा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पहले जब ऐसे आतंकवादी हमले होते थे, तो सरकार कुछ नहीं करती थी। लेकिन यह नया भारत है, यह किसी के सामने नहीं झुका है और न ही अपने नागरिकों की सुरक्षा के मामले में पीछे हटा है। मोदी ने कहा कि अभी 3 दिन पहले ही मैं गीता की धरती कुरुक्षेत्र में था। अब आज भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद और जगद्गुरू श्री माधवाचार्य जी के यश की इस भूमि पर आना मेरे लिए परम संतोष का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज के इस अवसर पर जब 1 लाख लोगों ने एक साथ भगवदगीता के श्लोक पढ़ें, तो पूरे विश्व के लोगों ने भारत की सहस्त्र वर्षों की दिव्यता का साक्षात दर्शन भी किया है। कर्नाटक की इस भूमि पर यहां के स्नेहीजनों के बीच आना मेरे लिए सदा ही एक अलग अनुभूति होती है। और उडुपी की धरती पर आना तो हमेशा ही अद्भुत होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा जन्म गुजरात में हुआ और गुजरात एवं उडुपी के बीच गहरा और विशेष संबंध रहा है। मान्यता है कि यहां स्थापित भगवान श्री कृष्ण के विग्रह की पूजा पहले द्वारका में माता रुक्मिणी करती थी। बाद में जगद्गुरु श्री माधवाचार्य जी ने इस प्रतिमा को यहां पर स्थापित किया।

श्रीलंका में 46 लोगों की मौत पर पीएम मोदी ने व्यक्त की संवेदना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात दित्वा में मारे गए लोगों के प्रति श्रीलंका के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रभावित परिवारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल राहत भेजी है और आगे भी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवाती तूफान दित्वा इस समय श्रीलंका के तटीय क्षेत्र और उससे सटे दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुजर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, यह उत्तर–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 30 नवंबर की सुबह तक तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के करीब पहुँचने की उम्मीद है। 28 नवंबर को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) यह तूफ़ान 8.3° उत्तर और 81.0° पूर्व के बीच त्रिंकोमाली से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम और श्रीलंका में बट्टिकलोआ से 100 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में स्थित था। भारत की ओर, यह कराईकल से 320 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिणपूर्व, पुडुचेरी से 430 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 530 किलोमीटर दक्षिण में था।

मुंबई पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ अभियान में पूरे प्रदेश से 13 लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सात जिलों से पिछले 10 दिनों में'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर क्राइम में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में 13 लोगों को पकड़ा गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई 13 पुलिस टीमों ने सोलापुर, पुणे, नागपुर, सतारा और नासिक के इलाकों में की। अधिकारी ने बताया कि इन पुलिस टीम का गठन 18 नवंबर को किया गया था। अधिकारी ने बताया, हमारी जांच में पता चला कि इस साल अक्टूबर तक मुंबई में डिजिटल गिरफ्तारी के 142 मामले सामने आये, इनमें कुल 114 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी। टीम उन लोगों के पते पर गईं जिनके बैंक खाते साइबर धोखाधड़ी से धन जमा करने और स्थानांतरित करने के लिए दिए गए थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सोलापुर के सुनील काशीनाथ भुजबल (45), पुणे के जुन्नार के अनंत माणिक थोराट (55), विरार के जयेश जयंत झावेरी (55), नालासोपारा के ध्रुमिल रामबिया (32), विलास मोरे उर्फ घ्घ्रेहान खान (43), रिजवान शौकत अली खान (34), कासिम रिजवान शेख (32), आशीष रामकृष्ण भुसारी (41), जीवन बारापात्रे (36), यश यादव के रूप में की है। (23), मोहन सोनावणे, हितेश मसूरकर (30) और अंकुश मोरे के तौर पर हुयी है।

केरल में आठ सौ से अधिक पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल ने पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा के नियम तोड़ने वाले लापरवाह वाहन चालकों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल राज्य में 800 से अधिक पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है। मोटर व्हीकल विभाग (एमवीडी) ने चेतावनी दी है कि ज़ेब्रा क्रॉसिंग पर लापरवाही से वाहन चलाना और पैदल यात्रियों के अधिकारों की लगातार अनदेखी करना लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। अधिकारियों ने पाया है कि कई दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक पैदल यात्रियों के साथ उचित व्यवहार नहीं कर रहे। वे अक्सर अपनी गाड़ियां ज़ेब्रा क्रॉसिंग पर तथा फुटपाथ पर ही रोक देते हैं, जिससे असंख्य जानें खतरे में पड़ जाती हैं। केवल इस वर्ष ही 800 से अधिक पैदल यात्रियों की मौत की खबरें आई हैं, जिनमें लगभग आधे वरिष्ठ नागरिक थे। अधिकारी इस चिंताजनक आँकड़े का मुख्य कारण उन चालकों को मानते हैं जो ज़ेब्रा क्रॉसिंग के पास वाहन की गति धीमी नहीं करते, जिससे पैदल यात्री या तो तेज़ी से सड़क पार करने को मजबूर होते हैं या दुविधा में हिचकिचाते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान:

भारत का रक्षा इकोसिस्टम नवाचार का केंद्र, बाहरी निर्भरता को करेंगे खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से, केंद्र एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग को समर्थन देता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में 'चाणक्य रक्षा संवाद' को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भारत शक्ति, सुरक्षा और विकास के पथ पर आगे बढ़ता है, तो विश्व को अनेक प्रकार से लाभ होता है। एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अनेक देशों के लिए समावेशी, पारदर्शी और सुरक्षित शासन का एक आदर्श प्रस्तुत करता है। उभरती प्रौद्योगिकियों, चाहे वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो, साइबर हो या अंतरिक्ष, के प्रति भारत का नैतिक दृष्टिकोण, ऐसे मानक स्थापित करता है जिनकी ओर अन्य देश भी ध्यान देते हैं, शांति, जलवायु उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बल प्रदान करता है, और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को नैतिक बल प्रदान करता है। इस प्रकार, मित्रों, एक सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत अलग–थलग नहीं रहता; बल्कि वह भलाई की एक शक्ति बन जाता है, एक ऐसा राष्ट्र जो वैश्विक शांति और मानव कल्याण को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सकारात्मक प्रभाव स्थायी शक्ति में परिवर्तित हो, सरकार केंद्रित सुधारों के साथ राष्ट्रीय क्षमता को मजबूत कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क दोनों को बढ़ावा देने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफार्मों, प्रौद्योगिकी और संरचनाओं के माध्यम से अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं। आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार स्टार्टअप्स, गहन तकनीकी क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रही है जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे।

मिर्जापुर में बेकाबू कार का कहर: पिता-पुत्र सहित चार की मौत

मिर्जापुर, एजेंसी। मिर्जापुर जिले में शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक कार में सवार पिता–पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमर बहादुर सिंह ने बताया कि कछवा थाना क्षेत्र में सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटका में सड़क हादसे में एक कार में सवार पिता–पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज से वाराणसी की ओर से जा रही एक अनियंत्रित कार सड़क पार कर रहे दो लोगों को रौंदते हुए सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। सीओ ने बताया कि हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान श्याम कृष्ण यादव (55) और उनके बेटे अनुराग यादव (30) के रूप में हुई जो कार में सवार थे। वे प्रयागराज के सोरांव के रहने वाले थे। हादसे में मारे गए दो अन्य लोगों की पहचान सरोज (40) और भोलू (35) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चक्रवाती तूफान 'दितवा' चेन्नई के निकट पहुंचा, तमिलनाडु हाई अलर्ट पर

चेन्नई, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान शदितवाश ने शुक्रवार को चेन्नई तट की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने इस तूफान के कारण तमिलनाडु में अगले तीन दिनों के लिए बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई ज़िला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। मौसम विभाग ने कई ज़िलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। दितवा के कारण अत्यधिक से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताने के कारण, राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात कर दिया है। एनडीआरएफ की टीमों ने संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए रबड़ की नावें, पेड़ काटने वाली मशीनों सहित सभी आवश्यक उपकरण अपने साथ रखे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ज़िलाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और उन्हें निचले इलाकों तथा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों के लोगों को ठहराने के लिए राहत केंद्र तैयार रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इन केंद्रों में पीने का पानी, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मौसम विभाग ने ताजा जानकारी में बताया कि चक्रवाती तूफान शदितवाश तटीय श्रीलंका और सटे हुए दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है। यह पिछले छह घंटों के दौरान सात किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ा है। यह तूफान पुडुचेरी से 440 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिण–पूर्व और चेन्नई से 540 किलोमीटर दक्षिण में है। इसके श्रीलंका तट और सटे हुए दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए 30 नवंबर की सुबह तक उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और सटे हुए दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है।

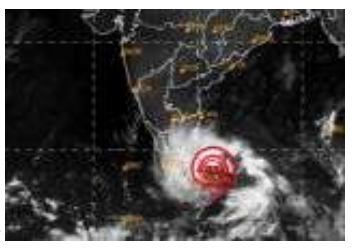

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना की अध्यक्षता मुख्य अतिथि उमेश श्रीवास्तव । काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अर्चना झा अन्नु । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, शोभा त्रिपाठी शैल्या सरिता कपूर, अनुराधा गर्ग, सीमा अग्रवाल जागृति, अपर्णा थपलियाल , सुषमा सिंह उर्मि, रेणुका पटेल,मनोरमा, डॉ शशि जायसवाल, मल्लिका डे विष्णु, मंजू लता नागेश डॉ कुमकुम शुक्ला।सभी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

प्रदूषण पर संग्राम : राहुल गांधी का केंद्र पर कटाक्ष, बच्चों का दम घुट रहा, सरकार चुप क्यों ?

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को शीतकालीन सत्र से पहले देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण पर संसद में बहस की माँग की। एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने केंद्र पर सवाल उठाते हुए वायु प्रदूषण की समस्या के लिए ष्कोई तत्परता, योजना या जवाबदेही नहींष का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि मैं जिस भी माँ से मिलता हूँ, वह मुझे एक ही बात कहती हैरू उसका बच्चा ज़हरीली हवा में साँस लेते हुए बड़ा हो रहा है। वे थके हुए, डरे हुए और गुस्से में हैं। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना, कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती? उन्होंने लिखा कि भारत को वायु प्रदूषण पर संसद में तत्काल, विस्तृत बहस और इस स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए एक सख्त, लागू करने योग्य कार्य योजना की आवश्यकता है। हमारे बच्चे स्वच्छ हवा के हकदार हैं – बहाने और ध्यान भटकाने वाले नहीं। इस बीच, पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस 30 नवंबर को शाम 5 बजे सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेगी, जिसमें 1 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र की रणनीति तैयार की जाएगी। इससे पहले आज, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी उत्तर भारत में वायु प्रदूषण का समाधान न करने और एयर प्यूरीफायर पर कथित तौर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। केजरीवाल ने ग पर लिखा, ष्स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। दिल्ली समेत उत्तर भारत में हवा जानलेवा हो गई है और समाधान देने के बजाय सरकार जनता से टैक्स वसूल रही है। लोग अपने परिवारों को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर खरीदने जाते हैं और उन्हें पता चलता है कि सरकार उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रही है। आप प्रमुख ने कहा, यह सरासर अन्याय है। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूँ कि एयर और वाटर प्यूरीफायर पर लगाया गया जीएसटी तुरंत हटाया जाए। अगर आप समाधान नहीं दे सकते, तो कम से कम जनता की जेब पर बोझ डालना तो बंद करें।ष केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, आज सुबह 8 बजे दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 384 दर्ज किया गया। 27 नवंबर को शाम 4 बजे शहर का एक्यूआई 377 दर्ज किया गया था।

माघ मेले में चलेगी ओला–ऊबर और रैपिडो की बाइक टैक्सी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला 2026 में श्रद्धालुओं के लिए बाइक टैक्सी सेवा शुरू होगी। महाकुंभ 2025 में सफल रही इस योजना को माघ मेले में भी लागू करने का

फैसला लिया गया है। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार की अध्यक्षता में इस पर निर्णय लिया गया है। बैठक में यह तय किया गया कि ओला, ऊबर और रैपिडो जैसी कंपनियों को बाइक टैक्सी सेवा के लिए शामिल किया जाएगा। इन कंपनियों के द्वारा श्रद्धालुओं को निकटतम पार्किंग से मेला क्षेत्र के अंदर तक दोपहिया वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे और वाहनों को निर्धारित रूट पर चलाने की अनुमति मिलेगी। कंपनियों को अपने ड्राइवरों की संख्या और विवरण प्रशासन को देना अनिवार्य होगा ताकि सुरक्षा और नियम पालन सुनिश्चित किया जा सके। बाइक टैक्सी सेवा 1 जनवरी से 15 फरवरी तक तब उपलब्ध रहेगी जब भीड़ कम हो। मेला अवधि के दौरान परिवहन की सुविधा के लिए 75 इलेक्ट्रिक शटल बसें और 200 डीजल बसें भी चलाई जाएंगी। साथ ही जाम से बचने के लिए मुख्य संवेदनशील स्थानों जैसे जीटी जवाहर की सड़कों पर बसें नहीं लाई जाएंगी। ऐसा मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने निर्देशित किया है।

आदेश को कॉपी पेस्ट करने पर हाईकोर्ट नाराज

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वित्त विभाग के अधिकारियों द्वारा पहले से लिखा आदेश कॉपी पेस्ट करने पर नाराजगी जताई है। साथ ही वित्त सचिव को इस मामले में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।मेरठ की फर्म एडबुलेवार्ड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर यह आदेश न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल ने फर्म के अधिवक्ता को सुनकर दिया है। एडवोकेट का कहना था कि जीएसटी की

अपील पर आदेश करते समय मेरठ के अपर आयुक्त (ग्रेड–2) प्रथम द्वारा किसी और प्रकरण के तथ्य कॉपी पेस्ट कर दिए गए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि याची द्वारा आईटीसी रिफंड का दावा निरस्त करने के विरुद्ध अपील दाखिल की गई थी, जिसे निरस्त करते समय मेरठ के अपर आयुक्त (ग्रेड–2) प्रथम ने संबंधित मामले की बजाय किसी अन्य मामले के तथ्य कॉपी–पेस्ट कर रिफंड निरस्तीकरण को बरकरार रखा। जबकि रिफंड निरस्तीकरण आदेश भी बिना कोई कारण दर्ज किए एवं बिना हस्ताक्षर के किया गया था। उन्होंने कहा कि अपीलीय प्राधिकारी ने याची के किसी भी कानूनी तर्क पर कोई संज्ञान न लेते हुए मनमाना आदेश कर दिया। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया जीएसटी विभाग के अधिकारियों की संपूर्ण कार्यवाही को न्यायिक बुद्धि एवं विवेक के अभाव में पाते हुए प्रदेश के वित सचिव एवं राज्य कर आयुक्त समेत संबंधित अधिकारी को दो सप्ताह में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।

प्रयागराज में दिसंबर से नए सर्किल रेट होंगे लागू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नया सर्किल रेट निबंधन विभाग दिसंबर के दूसरे सप्ताह में लागू करने जा रहा है। विभाग ने विस्तारित क्षेत्रों में सर्किल रेट में 20 से 35 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि सिर्फ 5 से 10 फीसदी तक सीमित रहेगी। बमरौली, झुंसी, नैनी और फाफामऊ जैसे तेजी से विस्तार हो रहे इलाकों में जमीन की खरीद–फरोख्त भी बढ़ रही है। इन जगहों के भूखंड बड़े पैमाने पर खरीद कर प्लाटिंग या बहुमंजिला आवासीय भवन बनाए जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए नया सर्किल रेट बढ़ाने के साथ ऐसे बड़े भूखंड खरीदने वालों को लाभ पहुंचाने के लिए मूल्यांकन पर छूट का प्रावधान भी रखा गया है।छूट के नियम के अनुसार, 500 वर्ग मीटर से कम जमीन के बैनामे पर कोई छूट नहीं मिलेगी। वहीं, 500 से 1000 वर्ग मीटर तक जमीन के लिए 10:, 1000 से 2000 वर्ग मीटर के लिए 20:, 2000 से 5000 वर्ग मीटर के लिए 30: और 5000 वर्ग मीटर से अधिक जमीन पर 40 फीसदी तक मूल्यांकन में छूट दी जाएगी।यह नीति बड़े भूखंड खरीदने वालों के लिए फायदेमंद होगी और बहुमंजिला आवासीय भवनों में फ्लैट खरीदने वाले आम नागरिकों पर आर्थिक दबाव कम करेगी। वहीं, शहर के सिविल लाइंस, कटरा, चौक, अल्लापुर, मम्फोर्डगंज, सोहबतियाबाग, तुलारामबाग, अलोपीबाग, दारागंज, तेलियरगंज, रसूलाबाद, गोविंदपुर समेत अन्य इलाकों में जमीन की कमी और स्थिर मांग के चलते सर्किल रेट में मामूली 5 से 10 फीसदी की वृद्धि प्रस्तावित की गई है। यह कदम निबंधन विभाग द्वारा जमीन की खरीद–फरोख्त में पारदर्शिता बढ़ाने और राजस्व संग्रह में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। नए सर्किल रेट के लागू होने से आगामी दिनों में मौजूदा बाजार मूल्य के अनुरूप अधिक वाजिब मूल्यांकन होने की उम्मीद है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं- MECH-ONF-GMC-BRD-25 दिनांक : 26.11.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ. & एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त अनुभव और वित्तीय क्षमता वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में खुली ई-निविदाएँ, निविदा समाप्ति तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण इस प्रकार है-

ई-निविदा सूचना सं. MECH-ONF-GMC-BRD-25	निविदा प्रणाली : सिंगल पैकेट सिस्टम
कार्य का नाम : विभिन्न प्रकार के साइनेज बोर्ड और फ्रेम की आपूर्ति, निर्माण और स्थापना और माइल्ड स्टील कवर शेड का निर्माण कार्य।	
निविदा मूल्य : ₹ 394,46,90.64	बोली सुरक्षा/बयाना राशि : ₹ 78900
ई-निविदा प्रपत्र की लागत : शून्य	कार्य अवधि : 9 माह
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 26.11.2025	
निविदा बंद होने की तिथि : 17.12.2025 15:00	

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा की निविदा पुस्तिका सहित संपूर्ण जानकारी प्रकाशन की तिथि से IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा समापन की नियत तिथि को 15:00 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकती हैं। 3. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। 4. न्यूनतम पात्रता मानदंड: इस निविदा में लागू नहीं है। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 2284/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज में करवरिया बंधु जेल से बाहर आए

एमबीए पास बेटी का रिश्ता कलराज मिश्रा के डॉक्टर रिश्तेदार से, शाह–राजनाथ को न्योता भेजा।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के बाहुबली करवरिया परिवार में हो रही शादी सुर्खियों में है। पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया की बेटी मीनाक्षी की शादी 29 नवंबर को है। इसमें शामिल होने के लिए दोनों करवरिया बंधु जेल से पैरोल (अस्थाई जमानत) पर बाहर आ गए हैं।

मीनाक्षी ने डठ। किया है, उनकी शादी प्रयागराज में डॉ. सिद्धार्थ से तय हुई है। डॉ. सिद्धार्थ राजस्थान और जयपुर के राज्यपाल रहे कलराज मिश्रा के रिश्तेदार हैं। इस रिश्ते के पीछे कलराज मिश्रा के भतीजे हरेंद्र मिश्रा हैं, जोकि सिद्धांत के फूफा लगते हैं।

यूपी की इस टप्च शादी में शामिल होने के लिए देशभर से पॉलिटिकल हस्तियां प्रयागराज पहुंचेंगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी से लेकर पूर्व सीएम मायावती को न्योता भेजा गया है। कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी शादी के कार्ड भेजे गए हैं।

शहर के कल्याणी देवी मोहल्ला की मशहूर करवरिया कोठी में 27 नवंबर को हल्दी की रस्म निभाई गईं। पूरे करवरिया हाउस को सफेद और गुलाबी फूलों से सजाया गया है।

सफेद गुलाबी फूलों से पूरी कोठी सजी सिविल लाइन एरिया में कलेक्ट्रेट से सिर्फ 6.5 Km दूर सफेद रंग की एक कोठी दिखती है, कल्याणी देवी मोहल्ले की इस कोठी को सब करवरिया हाउस करते हैं। इसको सफेद और नीले रंग से पेंट किया गया है। छत पर तिरंगा लहरा रहा था। घर के मेन गेट को पीले रंग के फूलों से सजाया गया है।

मुख्य द्वार पर दुल्हन मीनाक्षी संग दूल्हे सिद्धान्त का नाम लिखा गया है। करीब 12 से 15 कारीगर लगातार सजावट कर रहे थे। करवरिया हाउस को अंदर से सफेद और गुलाबी रंग के फूलों से आकर्षक लुक दिया गया है। बातचीत में बताया गया कि ये थीम दुल्हन की पसंद की है।

शादी की रस्में 5 दिन चलनी है, ऐसे में घर के आंगन को कोलकाता के डेकोरेटर्स ने सजाया है। जिसमें 4X6 बड़े स्टेज पर गोल्डन और सफेद रंग के आर्टिफिशियल फूल लगाए गए है। अंदर की दीवार खिड़की और दरवाजों को गोल्डेन मरून रंग के पर्दे लगाकर सोवर लुक देने की कोशिश की गई है।

कमरों की सजावट का भी खास ध्यान रखा गया है। आंगन में सफेद और पिंक कलर के आर्टिफिशियल फूलों से बना झूमर लगा है। इसके अलावा पूरे घर की दीवार को गुलाबी और सफेद रंग के खिले फूलों से सजाया गया है। पूरा घर वैवाहिक मंडप की तरह दिखाई पड़ रहा है।

सजावट के बीच घर परिवार की महिलाएं विवाह गीत और पैरों में महावर लगाती दिखाई पड़ी। हंसी ठिठोली के बीच पूरा परिवार बेटी मीनाक्षी का विवाह उत्सव मना रहा है।

बनारस के कलाकार शहनाई बजाएंगे करवरिया फैमिली में शादी के संगीत का खास इंतजाम किया गया है। घर के द्वार पर मेहमानों को शहनाई की धुन सुनाई देगी। इसके लिए बनारस के कलाकारों को खासतौर पर बुलाया गया है। वेडिंग संगीत का कलेक्शन और परफार्मेंस की जिम्मेदारी प्रयागराज के कलाकार मनोज तिवारी को सौंपी गई है।

शादी से पहले होने वाले मेहंदी, हल्दी और संगीत नाइट, डांस प्रेजेंटेशन, बॉलीवुड थीम्ड परफॉर्मेंस और फैमिली कोरियोग्राफ डांस की तैयारी की गई है।

हमने कलाकार मनोज कुमार से बात की। वह कहते हैं– बॉलीवुड हिट्स, पंजाबी बीट्स, गरबा–फ्यूजन और इंडी–पॉप के साथ परंपरागत संगीत की शानदार जुगलबंदी रहेगी। परिवार ने दूल्हा–दुल्हन के मुताबिक गाने चुने है। इंट्री सांग, कपल्स डांस, फैमिली एंट्री के मोमेंट्स के यादगार पलों के लिए अलग ट्रेडिशनल धुन तैयार की गई है।

कपिलमुनि वेलकम करेंगे, समारोह की जिम्मेदारी उदयभान के पास करवरिया परिवार की बेटी मीनाक्षी के विवाह को यादगार बनाने के लिए पूरे परिवार ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। पिता पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया परिवार की मुखिया की भूमिका में मेहमानों के स्वागत में रहेंगे। समारोह को मुकम्मल करने की बड़ी जिम्मेदारी मझले भाई पूर्व विधायक उदयभान करवरिया के कंधे पर है।

उन्होंने कहा– पूरा परिवार खास मेहमानों का ध्यान रखेगा। मगर सबसे खास तो हमारा कार्यकर्ता है, जो हमारे लिए जीता मरता है। वहीं हमारे सबसे करीबी हैं, समारोह पूरी तरह से परंपरागत रीति रिवाज के अनुसार होगा। खान–पान से लेकर साजसज्जा एवं अन्य इवेंट्स के आयोजन की जिम्मेदारी प्रयागराज के डेकोरेटर एवं कलाकारों को पहले दिया गया है, जो काम लोकल कारीगर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हीं के लिए बाहर से लोगों को बुलाया गया है।

सीता, राम की थीम पर ड्रेस तैयार परिवार के सदस्यों ने हमें बताया कि मीनाक्षी और सिद्धार्थ राम और सीता की तरह वेशभूषा पहनेंगे। इसको ठीक से समझने के लिए पूरी डिजाइनिंग की कमान संभालने वाली डिजाइनर गरिमा करवरिया से बात की।

उन्होंने बताया– हर एक ड्रेस को एक खास थीम पर तैयार किया गया है, जिन पर 5 से 6 महीनों की मेहनत की जा रही थी। सगाई के लिए वृंदावन थीम पर आधारित लहंगा तैयार किया गया था, इसमें बनारसी घाटों की झलक डिजाइन में शामिल की गई थी।

हल्दी सेरेमनी की थीम कार्निवल रखी गई थी। इसके लिए दुल्हन का आउटफिट 45 दिनों में तैयार हुआ, जिसमें करीब 160 घंटे का हैंडवर्क किया गया। उस ड्रेस में पूरा कांच का काम है। जरदोजी और नक्शी के जरिए कांच को हाथों से एंब्रॉयडरी किया गया है। यह सबसे मेहनत वाला हिस्सा था।

गरिमा ने बताया कि परिवार के लिए कपड़े बनाना सबसे कठिन काम होता है, क्लाइंट्स को तो हम डिजाइन करके दे देते हैं, लेकिन घरवालों को इंप्रेस करना सबसे मुश्किल होता है। प्रेशर सबसे ज्यादा यही रहता है।

मेहंदी के लिए दुल्हन की ड्रेस रॉ सिल्क से तैयार की गई है, जिसमें अलग–अलग रंगों को जोड़कर लेस और गोटा–पट्टी से नक्काशी की गई है।

सबसे खास तैयारियां शादी के दिन के लिए की गई हैं। गरिमा बताती हैं– शादी की थीम राम–सीता पर आधारित है। मीनाक्षी जरी और जरदोजी की साड़ी पहनेंगी, जो सीता लुक को दर्शाती है। वहीं सिद्धार्थ राम के कॉन्सेप्ट पर तैयार की गई शेरवानी पहनेंगे। विदाई के मौके पर दुल्हन बनारसी सिल्क की शुद्ध पारंपरिक साड़ी में नजर आएंगी। इससे बेहतर इंडियन कल्चर का प्रतिनिधित्व क्या हो सकता है।

प्रयागराज की रीलबाज खुशी ने पुल पर डांस किया

अब हाथ जोड़कर पुलिस से माफी मांगी, बोली– अब ऐसा नहीं करूंगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज की रीलबाज खुशी ने यमुना पुल पर रील बनाई। फिर रेलिंग पर चढ़कर डांस स्टेप किए। इसके बाद इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर दिया। रील वायरल हुई, तो लोगों ने ट्रोल करना शुरू किया। पुलिस को टैग कर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस एक्शन में आई ,तो खुशी ने एक और वीडियो जारी कर दिया। इसमें उसने माफी मांगी। कहा– मैंने जो रील बनाई है। उसके लिए मैं अपने सभी फॉलोअर और यूपी पुलिस से माफी मांगती हूं। मैं अब ऐसी गलती कभी नहीं करूंगी।

प्रयागराज में रहने वाली युवती का इंस्टाग्राम आईडी मौर्यवंशी खुशी के नाम से है। इसी पर वह स्टंट, डांसिंग वीडियो और रील शेयर करती हैं। 2 सप्ताह पहले खुशी ने एशिया के सबसे खूबसूरत ब्रिजों में शुमार नए यमुना पुल की केबल पर चढ़कर स्टंट करते हुए रील बनाई थी। पुल पर भी फिल्मी गानों पर डांस किया था। इस दौरान राहगीर रुक–रुक कर डांस देखने लगे। जाम की स्थिति भी बनी।

रील बनाने के बाद खुशी ने उसे अपनी इंस्टा पर पोस्ट कर दिया। रील को तमाम लोगों ने सराहा। वहीं, कई लोगों ने फटकार लगाई। साथ ही पुलिस से ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस को खुशी की रील भेजी। इसके बाद पुलिस ने खुशी की तलाश शुरू की। इसकी जानकारी खुशी को हुई तो उसने इंस्टा पर माफी मांगते हुए वीडियो पोस्ट किया।

वीडियो में उसने माफी मांगी। कहा– हैलो फ्रेंड्स, मैं सभी दर्शकों से और यूपी पुलिस से माफी मांगती हूं। मैंने जो यमुना पुल पर चढ़कर जो वीडियो बनाया उसके लिए, डिवाइडर पर चढ़कर जो वीडियो बनाया उसके लिए और बीच रोड पर जो रील बनाई उसके लिए माफी मांगती हूं। मैं अब ऐसी गलती कभी नहीं करूंगी। प्लीज आप सभी मुझे क्षमा कर दीजिए। जो गलती मैंने की है। वह कभी नहीं करूंगी। मैं यह भी कहती हूं कि ऐसी गलती कोई भी न करे। प्लीज मुझे माफ कर दीजिए।

खुशी के इंस्टा पर कई वीडियो हैं। इसमें वह कभी सड़क पर तो कभी डिवाइडर पर चढ़कर डांस करती हुई नजर आ रही है। पेट्रोल पंप पर भी डांस करने की उसने रील बनाई है।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव का कहना है कई लोगों ने पुलिस को उस युवती की रील, वीडियो भेजे हैं। पुलिस ने खुद भी संज्ञान लिया है। युवती की तलाश की जा रही है। उसके नैनी के पते पर फोर्स गई थी। सोशल मीडिया पर युवती का माफी मांगते वीडियो आया है।

ऐसे स्टंट के बाद यमुना पुल पर एक टीम लगा दी गई है। किसी को भी रील, वीडियो नहीं बनाने दिया जा रहा है। युवती से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंस्पेक्टर से हॉट–टॉक के बाद वकीलों ने लगाया जाम

प्रयागराज–कानपुर हाईवे पर 6 घंटे तक हंगामा, जांच के आश्वासन पर माने

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के धूमनगंज थानेदार से हॉट–टॉक के बाद गुरुवार को प्रदीप देवघर त्रिपाठी ने अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ प्रयागराज कानपुर हाईवे पर छह घंटे तक जाम लगा दिया। पुलिस अफसर व प्रदर्शनकारी वकीलों के बीच बातचीत के बाद हुई तात्कालिक कार्यवाही व जांच के आश्वासन के बाद प्रदर्शन खत्म कर ट्रैफिक सामान्य कर दिया है।

शहर के धूमनगंज थाना प्रीतम नगर निवासी अधिवक्ता पीयूष सिंह पटेल को उनके बैंक से एक मैसेज आया कि करीब 16 लाख रुपए बुधवार की शाम किसी दूसरे अकाउंट

में ट्रांसफर कर दिए गए है। अधिवक्ता पीयूष सिंह ने बताया, खाते से बड़ी रकम बिना बताए बैंक के मैनेजर ने ट्रांसफर कर दी। जिसकी जानकारी लेने वह बैंक पहुंचे तो उन्होंने उनसे अभद्रता की। जिसकी शिकायत लेकर वह थाना धूमनगंज पुलिस के पास पहुंचे। आरोप है कि थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय ने कई कोशिश के बाद भी उनका फोन नहीं उठाया। थाने पहुंचने पर उनके व उनके साथी अधिवक्ता प्रदीप देवधार तिवारी के साथ बदसुलूकी करते हुए सर्विस रिवॉल्वर पर हाथ लगाकर गोली मारने की धमकी दी। जिसके बाद नाराज अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते थाना परिसर के बाहर आए और कानपुर प्रयागराज हाईवे जाम लगा दिया।

चोरी के विरोध पर रेलवे टेक्नीशियन की पिटाई

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में गुरुवार की रात लीडर रोड स्थित जीआरपी कॉलोनी के पास गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है। चोरी का विरोध करने पर रेलवे टेक्नीशियन संतोष वर्मा और उनकी पत्नी को कुछ लोगों ने लाठी–डंडों से बेरहमी से पीटा। घटना में संतोष वर्मा को गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज रेलवे मुख्य चिकित्सालय में चल रहा है। घायल संतोष वर्मा का आरोप

है कि जीआरपी कॉलोनी के पास हो रहे कंस्ट्रक्शन कार्य में रखे गए सामान की चोरी जीआरपी पुलिस और कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से कराई जा रही थी। संतोष के अनुसार, जब उन्होंने चोरी का विरोध किया तो मौके पर मौजूद आरोपियों ने उनकी पत्नी और बच्चों को भी निशाना बनाया और सभी को पीटा। पीड़ित द्वारा शाहगंज थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। फिलहाल सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि पीड़ित को मेडिकल के लिए काल्विन अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मिर्जापुर में पिता–डॉक्टर बेटे समेत 4 की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। मिर्जापुर में भीषण सड़क हादसे में पिता और डॉक्टर बेटे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने पहले 2 लोगों को रौंदा। फिर हाईवे पर खड़े कंटेनर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का आधा हिस्सा कंटेनर के नीचे घुस गया। करीब 50 मीटर तक कार के टुकड़े बिखर गए। हादसे में प्रयागराज के रहने वाले श्याम कृष्ण यादव (55) और उनके डॉक्टर बेटे अनुराग (22) की मौत हो गई। अन्य 2 मृतकों में कंटेनर ड्राइवर अजित कुमार और

क्लीनर सरोज हैं। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जैसे–तैसे रेस्क्यू करके पिता–बेटे को कार से निकाला। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। हादसा शुक्रवार सुबह साढ़े 7 बजे कछवा थाना क्षेत्र में कटका गोदाम के पास हुआ। शुरुआती जांच में हादसे की दो वजहें सामने आ रही हैं। पहली– कोहरा और दूसरी– झपकी। पुलिस ने कहा कि कार की स्पीड तेज थी। कार सड़क पर खड़े 2 लोगों को रौंदते हुए कंटेनर में जा घुसी। प्रयागराज की सोराव थाना क्षेत्र दौलतपुर खरगापुर गांव के रहने वाले श्याम कृष्ण कैंसर पीड़ित थे। वह प्राइवेट स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाते थे। श्याम कृष्ण का बड़ा बेटा अभिनव कृष्ण मुंबई में सीबीआई इंस्पेक्टर हैं। छोटा बेटा अनुराग होम्योपैथिक डॉक्टर था। श्याम कृष्ण की वाराणसी में कीमोथैरेपी होनी थी। शुक्रवार सुबह डॉक्टर बेटा अनुराग पिता को कार से लेकर निकला।

संक्षिप्त

देव के किरदार ने मुझे अपने पेरेंट्स के और करीब कर दिया : अभिषेक शर्मा

लखनऊ, संवाददाता। लोकप्रिय शो 'वसुधा' आज भारतीय टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शोज में शामिल है। इस शो में सिर्फ दर्शक ही नहीं, कई बार कलाकार भी कहानी से उतनी ही गहराई से जुड़ जाते हैं। हाल ही में देवांश की भूमिका निभा रहे अभिषेक शर्मा ने सेट पर एक ऐसा पल महसूस किया जो कैमरे के परे जाकर उन पर असर छोड़ गया। इस शो में चल रहे ट्रैक में तनाव बढ़ता जा रहा है। चंद्रिका का गुस्सा इस कदर बढ़ गया है कि देव के सामने आने पर भी वो उसे अनदेखा कर देती है। देव उसे शांत करने की कोशिश करता है, लेकिन उसकी बात का कोई असर नहीं होता। उधर, वसुधा को होटल में अपमान का सामना करना पड़ता है जब चौहान ग्रुप अचानक उसकी बुकिंग रद्द कर देता है और उसे कमरा खाली करना पड़ता है। यहां बता दें कि 'वसुधा', रोज रात 9.30 बजे जी टीवी पर प्रसारित है। इस अनुभव के बारे में बताते हुए अभिषेक ने कहा, ''एक सीन था जिसमें देव चंद्रिका के सामने टूट जाता है और उससे पूछता है कि वो उससे बात क्यों नहीं कर रही। यह सीन तो बहुत भावुक तरह से लिखा गया था, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह मुझे निजी तौर पर छू जाएगा। टेक के बाद मैं अपने कमरे में गया और सचमुच रो पड़ा। पैक–अप होते ही मैंने सबसे पहले अपने माता–पिता को फोन किया और मैं ऐसा बहुत कम करता हूं। उसी पल समझ आया कि देव का सफर कहीं न कहीं मुझ पर भी असर डाल रहा है।''

यूपी में आधा दर्जन बीएसए का तबादला

लखनऊ संभालेंगे विपिन कुमार और बाराबंकी नवीन पाठक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में कल देर शाम बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया। लखनऊ, बाराबंकी समेत चार जिलों में नए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तैनात कर दिए गए। इन जिलों के बीएसए की पदोन्नति के बाद विभिन्न स्थानों पर भेजे जाने के चलते यह नियुक्तियां खाली पदों पर की गईं। संयुक्त सचिव बेसिक शिक्षा वेद प्रकाश राय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक नए तैनात अधिकारियों को तुरंत कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश हैं। इन पदों पर प्रभारी अधिकारी दैनिक कार्य देख रहे थे।लखनऊ में विपिन कुमार को नया बीएसए बनाया गया है। उनका ट्रांसफर लखनऊ के भीतर ही किया गया है। बाराबंकी में नवीन कुमार पाठक को तैनाती दी गई है, जिन्हें वाराणसी से बाराबंकी भेजा गया है। गोंडा में अमित कुमार सिंह को नया बीएसए नियुक्त किया गया है। वे देवरिया से गोंडा पहुंचे हैं।गोरखपुर जिले में धीरेन्द्र त्रिपाठी को नया बीएसए बनाया गया है। उन्हें संतकबीरनगर से गोरखपुर भेजा गया है। हरदोई जिला अब डॉ. अजित सिंह के जिम्मे होगा, जिन्हें प्रयागराज से हरदोई भेजा गया है। पीलीभीत में रोशनी को नए बीएसए के रूप में तैनात किया गया है।

दुनिया में आतंकवाद, उपद्रव के पीछे मन की चंचल प्रवृतियां–योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह में कहा कि राष्ट्रपति का जीवन एक शिक्षक के रूप प्रेरक रहा है। शिक्षक, जनसेवक से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की उनकी यात्रा संघर्ष की एक मिसाल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण उसका मन है। आज दुनिया में जो भी आतंकवाद, उपद्रव है इसके पीछे मन की चंचल प्रवृतियां है। योगी ने कहा कि मन का एक सकारात्मक पक्ष है जो सकारात्मक प्रवृतियों की और ले जाता है, वहीं एक नकारात्मक मन नकारात्मक प्रवृतियों की और ले जाता है। योगी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी से जुड़े सभी पदाधिकारी राजयोग के माध्यम से सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रहे हैं। यह केंद्र पूरे उत्तर प्रदेश के लिए राजयोग प्रशिक्षण के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेगा।

शिवपाल यादव बोले–एक महीने में SIR पूरा नहीं हो सकता, ग्रामीण अंचल में तो कुछ लोगों को पता ही नहीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा, आधार कार्ड को मान लिया जाता तो जनता को बहुत सुविधा होती। 12 विकल्प दिए गए हैं, इससे मेहनत बढ़ेगी।

समय और मिलना चाहिए। एक महीने में पूरा(प्) नहीं हो सकता है, ग्रामीण अंचल में तो कुछ लोगों को पता ही नहीं है। अभी शादी–विवाह भी चल रहे हैं तो समय और मिलना चाहिए।

नवजात शिशुओं में कोविड की तरह घातक हो रहा है आरएसवी, घर के लोग इस तरह से बनाएं बच्चों से दूरी

लखनऊ। प्रदेश में नवजात शिशुओं के लिए रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) घातक होता जा रहा है। अस्पतालों में संक्रमित नवजातों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए चिकित्सा संस्थानों ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बचने के लिए कोविड की तरह ही सावधानी बरतने की जरूरत है। घर में अगर किसी को सर्दी जुकाम है तो वह मास्क लगाए और नवजात को छूने से बचे। विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में हर दिन आरएसवी से संक्रमित दो से तीन मरीज आ रहे हैं। यह वायरस एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तेजी से प्रभावित करता है। समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों के लिए यह वायरस ज्यादा घातक साबित हो रहा है। हालांकि, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वालों में भी यह संक्रमण सामने आया है। अब तक आरएसवी के उपचार की कोई पुख्ता दवा नहीं है। ऐसे में कोविड की तरह ही इसका उपचार लक्षण के आधार पर किया जाता है। चिकित्सक इसका प्रभाव बढ़ने के पीछे प्रदूषण को भी बड़ी वजह मान रहे हैं।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संगोष्ठी

प्रयागराज। सी.एम.पी.डिग्री कालेज के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट एवं इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल के द्वारा इंटरडिस्प्लिनरी डाइमेंशन आफ केमिस्ट्री विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. रामेंद्र सिंह नें कहा कि केमिस्ट्री हमारे जीवन को आसान बनाती है।केमिस्ट्री का उपयोग करके हम पर्यावरण को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं केमिस्ट्री के रंग हमारे जीवन को रंगों से भर देते हैं।सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो.संजय श्रीवास्तव नें कहा कि हमें छात्रों के अंदर वैज्ञानिक सोच पैदा करना होगा।विशिष्ट अतिथि के रुप में केमिस्ट्री डिपार्टमेंट इविवि के विभागाध यक्ष प्रो.दिनेश मणि नें कहा कि हमारे विद्यार्थी बनेंगे सच्चे वैज्ञानिक जो सतत् विकास में अपना योगदान देंगे।कालेज के प्राचार्य प्रो.अजय प्रकाश खरे नें कहा कि केमिस्ट्री का हिस्ट्री में भी उपयोग है। इस अवसर पर केमिस्ट्री विभाग के द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

इस दौरान प्रतिभागियों के लिए तीन टेक्निकल सत्र चलाए गए एक सत्र में नदियाँ– करोड़ों लोगों की जीवनधारा विषय पर डिबेट पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिसमें जज के रूप प्रो. मनीष श्रीवास्तव, डॉक्टर रंजना चौरसिया, डॉक्टर नीतू शर्मा डॉक्टर दीपांजलि पांडेय उपस्थित रहे सत्र में चेयरपर्सन के रुप प्रोफेसर बबिता अग्रवाल उपस्थित रहीं।

दूसरे सत्र में रायपुर की प्रो.अनूभूति कोसले नें कहा कि नैनोटेक्नोलॉजी के उपयोग से ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित किया जा सकता है।जल प्रदूषण को रोकने में भी इसका उपयोग कर सकते हैं।इजरायल की डॉक्टर साधना साह नें ड्र्ग्स की केमिस्ट्री में सुप्रामालूक्यूल्स के उपयोग के बारे में चर्चा की। बायोलॉजिकल एंड एयर पॉल्यूशन पर डॉक्टर पूनम शुक्ला नें आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर हिमानी चौरसिया नें किया इस अवसर पर विभाग के संयोजक प्रो.संतोष श्रीवास्तव,प्रो.अर्चना पांडेय, प्रो. मृदुला त्रिपाठी, प्रो.आरती गुप्ता सहित विभाग के सभी प्रोफेसर शोध छात्र सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

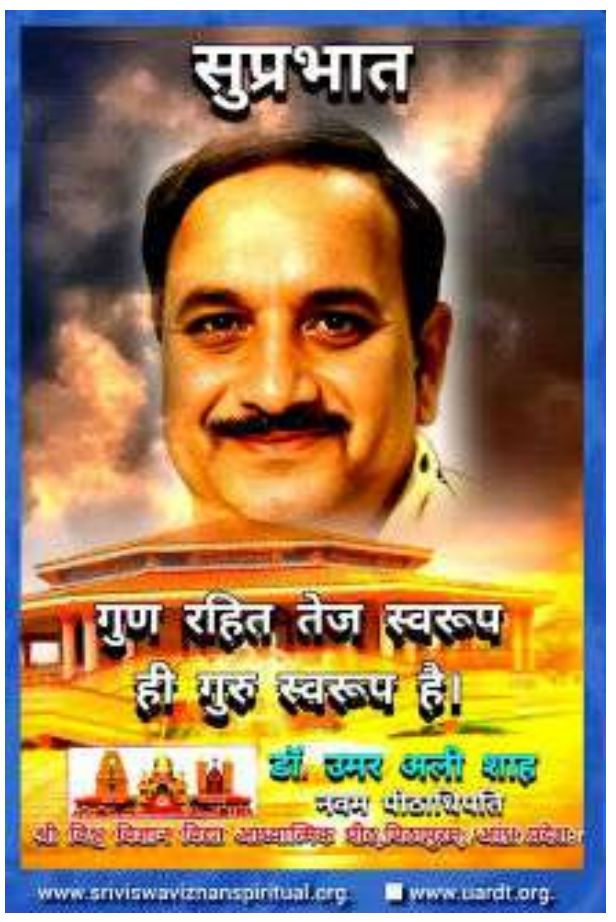

समय का सदुपयोग, लक्ष्य निर्धारण और दृढ़ संकल्प से मिलती है सफलता : शिक्षाविद् डॉ0 वीरेंद्र मिश्रा

श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में सुबह सवेरा कार्यक्रम हुआ आयोजित

मथुरा। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज महावन (मथुरा) में आयोजित 'सुबह सवेरा कार्यक्रम' के दौरान मुख्य अतिथि शिक्षाविद डॉक्टर वीरेंद्र मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

अपने संबोधन में डॉक्टर मिश्रा ने विद्यार्थियों को नियमित दिनचर्या, स्वच्छता, अनुशासन, अध्ययन में निरंतरता तथा नैतिक मूल्यों के पालन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि दैनिक प्रार्थना, व्यायाम और ध्यान से मन एकाग्र होता है तथा विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए समय का सदुपयोग, लक्ष्य निर्धारण और दृढ़ संकल्प सबसे आवश्यक हैं। डॉक्टर मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण, विद्यालय परिसर की स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की भी अपील की।

मुख्य अतिथि ने विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे सुबह सवेरा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र ने कार्यक्रम में आए हुए समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक विश्वजय सिंह तथा श्रीनिवास शर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी विनोद ,जगदीश जी, चंद्रपाल सिंह ,श्यामवीर ,विद्यालय के उप प्रधानाचार्य शिवकुमार निगम ,संजय वर्मा ,विनोद कुमार शुक्ल, डॉक्टर राकेश राही ,विश्वजय सिंह ,दिमान सिंह ,संग्राम सिंह , अंजलि वर्मा, पारस दीक्षित ,चतुर शिरोमणि शर्मा, प्रशांत ,करन ,प्रीति पांडे, टीना दीक्षित कसक पाराशर ,कैलाश, विपिन एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डबल इंजन की सरकार के द्वारा चलाई जा रहीं गरीब जन-. कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी से आम जनता को वंचित कर रहे हैं कुछ प्रशासनिक अधिकारी -डॉ0 सुरेन्द्र कुमार बौद्ध

सहारनपुर। सलोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी तथा पश्चिम उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया है कि डबल ईंजन की सरकार द्वारा चलाई जा रही गरीब जन–कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए तथा प्रदेश की जनता की मूलभूत समस्याओं को सुनने के लिए प्रत्येक जनपदों के जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए है कि प्रत्येक जिलाधिकारी अपने–अपने जनपदों मे ग्राम चौपाल आयोजन कार्यक्रम करके जिले के सभी प्रशानिक विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि वह शासन के इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाकर गरीब जनता के हित का ध्यान रखा जा सके इसी कड़ी में आज अम्बेहटा पीर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत रनियालादयालपुर मे ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र रावल की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया ग्राम चौपाल में मुख्य रूप से ग्राम सचिव अनुराधा रानी, पंचायत सहायक कुमारी शिवानी, महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अनीता (मुख्य सेविका)तथा पशुपालन विभाग की ओर से जॉनी कुमार (परावेट)उपस्थित रहकर ग्रामवासियों की मूलभूत समस्याओं को सुना और कुछ समस्याओं का समाधान ग्राम सचिव अनुराधा रानी की देख–रेख में मौके पर कर दिया गया तथा बाकी ग्राम चौपाल में आई अलग–अलग विभागों से सम्बंधित समस्याओं को नोट कर लिया और वहां पर मौजूद ग्रामवासियों को अवगत कराते हुए कहा है कि जिस विभाग से सम्बंधित जो समस्या जिन–जिन लोगों की आई है सम्बन्धित विभाग अवगत करा दिया जायेगा तथा ग्राम पंचायत रनियालादयाल पुर मे ग्राम चौपाल आयोजन में से स्वास्थ्य विभाग ,कृषि विभाग, राजस्व विभाग ,सिंचाई विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, ग्राम विकास विभाग और शिक्षा विभाग आदि नदारत रहे तथा ग्राम चौपाल आयोजन कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र रावल, डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध समाज सेवी एंव पूर्व प्रदेश महासचिव लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)पश्चिम उत्तर प्रदेश, सोम प्रकाश पंवार, मोहकम पंवार, राजकुमार, सोरण सिंह ,बबीता, सेनपाल ,मंत्री, बालेश्वर, जनेश्वर ,बृजेश कुमार ,ईसम , सागर ,मोनू, आदि उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर व्याख्यान एवं संवाद सत्र का आयोजन

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर एवं चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कौशाम्बी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित बहिर्गत कार्यक्रम (Out Reach Program) में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में गंगनाथ झा परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे तथा अन्य सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. विनोद कुमार, प्राचार्य, चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कौशाम्बी एवं प्रो. सत्यनारायण सिंह, निदेशक, चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कौशाम्बी सम्मिलित रहे। गंगानाथ झा परिसर के सहनिदेशक एवं भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे जी ने भारतीय ज्ञान परम्परा का उपस्थित सभा से परिचय कराते हुए हमारे राष्ट्र के लिए अन्य प्रयुक्त होने वाले शब्द भारत, आर्यावर्त, इंडिया तथा हिन्दुस्तान आदि की उत्पत्ति, भारत के सोलह जनपदों का परिचय तथा प्राचीन भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों यथा नालन्दा, तक्षशिला आदि के योगदान का उल्लेख करते हुए उस समय के ज्ञान के संरक्षण तथा विस्तार की प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से चर्चा की। अपने उद्बोधन में शब्द विद्या, हेतु विद्या, अध्यात्म विद्या, चिकित्सा विद्या तथा शिल्प विद्या का प्राचीन स्वरूप और उसकी वैज्ञानिकता का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने जीवन में अध्यात्म तथा कौशल का स्वरूप कैसा था इस विषय का मुख्यतरू उल्लेख किया साथ ही ज्ञान प्रदान करने की विधि (शिक्षण विधि) का भी उल्लेख किया जो समस्त उपस्थित गणमान्यों के लिए अति उपयोगी रहा।

उन्होंने अपने सारगर्भित वक्तव्य में योगशास्त्र का तात्विक परिचय भी कराया। कार्यक्रम में चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कौशाम्बी के प्राचार्य प्रो. विनोद कुमार ने समस्त उपस्थित छात्र–छात्राओं को भारतीय ज्ञान परम्परा को जानने एवं सीखने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अमित सिंह, सह–आचार्य, चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान, कौशाम्बी ने किया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वेदिक संस्थान के शिक्षकों, छात्र–छात्राओं के साथ ही अन्य छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

फूलों की दुनिया अलग

फूलों की दुनिया अलग, मीठी सरल जुबान।
सूफी के जो साथ रह, हरि का करते ध्यान।
हरि का करते ध्यान, नहीं कुछ माँगा करते।
बनकर प्रेम प्रसाद, भाव में खुशबू भरते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है अवधूतों की।
मन की आँखें खोल, बात समझो फूलों की।।

निर्मल पावन आचरण, निश्चल प्रिय मुस्कान।
बने सदा यह फूल की, प्यारी–सी पहचान।
प्यारी–सी पहचान,सदा सेवक की इसकी।
खुशबू का संसार, पंखुड़ी बनती जिसकी।
सुन लो कहें प्रदीप,धनी हो या फिर निर्बल।
करता सम व्यवहार,भाव रख हरदम निर्मल।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दरगाह बघरा मे कैंडल मार्च

मुजफ्फरनगर। दरगाह ए आलिया मे आज आजाए फातमिया (मजलिस) का आयोजन हुआ इस मे पहली मजलिस मौलाना शमीम हैदर नकवी ने खिताब फरमाइ उन होने अपनी मजलिस को खिताब करते हु बीबी फातिमा जहरा की जिंदिगी पर रौशनी

डाली और बीबी फातिमा जेहरा का हक मरने वालो पर लानत भेजी। दूसरी मजलिस मे मरसिया खानी अली शाह जैदी सहाब ने की उन के बाद मौलाना कलबे रुशेद रिजवी सहाब ने मजलिस पढ़ी उन होने अपनी खिताबत मे कहाँ की हर औरत मर्द और बच्चों को पर्दे का आहतराम करना चाहिए और इस वक्त मौजूदा हालात पर रौशनी डाली S-I-R पर भारत के लोगो से अपील की आप आपने कागजात सभाल कर रखे और S- I- R का फार्म जरूर भरे भारत सरकार का हिस्सा बने इस के बाद कैंडल मार्च हुआ उस मे मसाइब ए बीबी फतेमा जहरा मौलाना अफाक जैदी, और मौलाना मोहम्मद हुसैन हुसैनी ने पढ़े। बघरा – दरगाह ए आलिया बाबुल हवाईज बघरा मे नौचांदी जुमेरात को सऊदी अरब मे इस्थित जनाबे फतेमा जेहरा की कब्र (जन्नतुल बकी) की तामीर के लिए कैंडेल मार्च निकाला अल जवाद फाउंदेसान के सरबराह मौलाना मनाजीर नकवी और अफाक आलम जैदी, जन्नतुल बकी की तामीरके लिए आवाज बुलंद करते है सऊदी अरब की सौई हुई सरकार को जागाने का काम करते है। इस प्रोग्राम मे आए सभी महमान और लोगो का इस्तकबाल दरगाह कमेटी के लोगो ने किया दरगाह कमेटी के सदर सरताज हुसैन, हाजी जफर अब्बास, महासचिव आस मोहम्मद, शबी अब्बास, अकबर अब्बास, हाशिम, जीशान अली, शान मोहम्मद ने किया।

ऑपरेशन सिंदूर में इसरो का बड़ा योगदान रहा,महर्षि यूनिवर्सिटी के 6वें दीक्षांत समारोह में बोले वैज्ञानिक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ की महर्षि यूनिवर्सिटी का छठवां दीक्षांत समारोह मनाया गया। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजीव मिश्रा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इसरो के वैज्ञानिक अनिल कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। दीक्षांत समारोह में कुल 2455 स्टूडेंट्स को उपाधि मिली। मुख्य अतिथि प्रो. संजीव मिश्रा ने कहा इंजीनियरिंग प्रोफेशन में मेडिकल से ज्यादा ऑप्शन मिलते हैं। आमतौर पर मेडिकल में इतने ज्यादा ऑप्शन नहीं रहते हैं, लेकिन हेल्थकेयर सेक्टर के 70: डिवाइस भारत विदेशों से मंगाता है। इस क्षेत्र में इनोवेशन का बहुत स्कोप है। आज के युवा यदि इस क्षेत्र में काम करेंगे, तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। इसरो–टेलीमेट्री ट्रेकिंग कमांड नेटवर्क के निदेशक वैज्ञानिक अनिल कुमार ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में इसरो का बड़ा योगदान रहा है। जो सैटेलाइट अमेरिका का छै। 12 हजार करोड़ रुपए खर्च कर बनाता है, उसे इसरो ने महज एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर बना दिया। अनिल कुमार ने कहा आज अगर इंटरनेट थोड़ी देर के लिए बंद हो जाएगा, तो बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। नेपाल का प्रोटेस्ट भी इसी कारण से हुआ है। ट्रेन और फ्लाइट से लेकर तेल और खाना का ट्रांसपोर्ट रुक जाएगा।

सम्पादकीय.....

विश्व विजेता बेटियां

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चौंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चौंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं। निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल–शैली की टी–20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे–धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक–सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतरू वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता–पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है। स्पिनर राधा यादव का परिवार मुंबई के कांदिवली में रहता है और उसके पिता सब्जी बेचते रहे हैं। उनकी प्रतिभा पहचानकर क्रिकेटर प्रफुल्ल नाइक ने उसके परिजनों को क्रिकेट खेलने के लिये मनाया। संगरूर जिले की रहने वाली सफल गेंदबाज अमनजोत के, पेशे से कारपेंटर पिता भूपेंदर सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने अपना कामधंधा दांव पर लगाया। इसी तरह हिमाचल के एक किसान परिवार से आने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने अपने दिवंगत पिता के सपने को पूरा किया। निस्संदेह, इन लड़कियों की कामयाबी न केवल समाज में लड़कियों के प्रति नजरिया बदलेगी, बल्कि उन जैसी लाखों लड़कियों को क्रिकेट में भविष्य आजमाने के लिये भी प्रेरित करेगी।

कांग्रेस के लिए गंभीर आत्मचिंतन का समय

विपिन पब्बी

लोकसभा चुनावों से पहले उनकी पदयात्रा का कुछ असर हुआ था, लेकिन ऐसी कोशिशें कभी–कभार और बहुत कम होती हैं। वह लंबे समय से अंडरग्राऊंड हैं और पार्ट–टाइम पॉलिटिकल लीडर के तौर पर काम कर रहे हैं।

हाल के बिहार चुनावों में कांग्रेस का खराब प्रदर्शन, जहां वह 243 सीटों वाली विधानसभा में सिर्फ 6 सीटें जीत सकी, उसके नीचे जाने के पैटर्न का हिस्सा है, कभी–कभी कुछ छोटी–मोटी गड़बडियों को छोड़कर, जो देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के फिर से उभरने के अलावा दूसरे कारणों से हो सकती हैं। वह पार्टी, जिसने आजादी के पहले 30 सालों तक बिहार पर राज किया और जिसे देश के सबसे पिछड़े राज्य के लिए एक मजबूत नींव रखनी चाहिए थी, अपने जनादेश का फायदा उठाने में नाकाम रही और उसने अभी–अभी अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस को 19 सीटें मिलीं, जबकि 2015 में उसे 27 सीटें मिली थीं। कांग्रेस ने महागठबंधन के हिस्से के तौर पर 61 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ 6 सीटें ही जीत सकी। उसका वोट शेयर 8.46 प्रतिशत पर सीमित रहा, जबकि प्रशांत किशोर की नई आई जन सुराज पार्टी 3.44 प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर सकी। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में जीत और हाल के लोकसभा चुनावों में थोड़े बेहतर प्रदर्शन को छोड़कर, पार्टी की लगातार गिरावट को देखते हुए उसे गंभीरता से आत्मनिरीक्षण और बदलाव के काम पर लग जाना चाहिए था। लेकिन, वह अभी भी रेत में सिर छिपाए हुए है और पार्टी में नई जान डालने की कोई सच्ची कोशिश नहीं कर रही है। अब तक पार्टी नेताओं को यह एहसास हो गया होगा कि उसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता जो मुद्दे उठा रहे हैं, वे वोटरों को पसंद नहीं आ रहे। लोकसभा चुनावों से पहले उनकी पदयात्रा का कुछ असर हुआ था, लेकिन ऐसी कोशिशें कभी–कभार और बहुत कम होती हैं। वह लंबे समय से अंडरग्राऊंड हैं और पार्ट–टाइम पॉलिटिकल लीडर के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके दिए गए नारे जैसे 'चौकीदार चोर है' और 'वोट चोरी' ज्यादा असरदार नहीं रहे और यह राष्ट्रीय बहस के गिरते स्तर को दिखाता है। नरेंद्र मोदी पर कई आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन 'चौकीदार चोर है' के नारे से उन्हें भ्रष्ट कहना एक बेवकूफी भरा विचार था। ऐसा लगता है कि उनकी अपनी पार्टी के अंदर ही नेताओं का एक बड़ा ग्रुप इस आरोप के साथ चुनाव कैंपेन चलाने के विचार के खिलाफ था। इसी तरह 'वोट चोरी' का आरोप भी वोटरों को समझाने में नाकाम रहा। भले ही राहुल गांधी ने इसे एक बेहतरीन जांच बताया,

लेकिन वे वोटर लिस्ट में कथित गड़बडियों को या तो नकली पोलिंग से जोडने में नाकाम रहे या यह नहीं बता पाए कि इससे भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों को कैसे मदद मिली। उनका तथाकथित हाइड्रोजन बम भी बेकार साबित हुआ। हालांकि उन्होंने एक ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीरों वाली वोटर रोल की कॉपी दिखाईं, लेकिन वे यह साबित नहीं कर पाए कि असल में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में नकली वोट डाले गए थे। असल में, अलग–अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के पत्रकार, जो नकली वोटरों के आरोपों की जांच करने गए, उन्हें कोई भी नकली वोट नहीं मिला। भले ही इलैक्टोरल वोटर शीट पर मॉडल की फोटो थी, लेकिन उसी नंबर वाले वोटर पहचान पत्र पर असली वोटर की फोटो थी और उन्होंने अपना वोट डाला था। कांग्रेस और राहुल गांधी ने यह प्रचार करने की कोशिश की कि बिहार के लिए बड़े पैमाने पर 'वोट चोरी' की योजना बनाई गई थी, लेकिन इस पर भी कुछ ही लोग यकीन कर पाए। राज्य में रिकॉर्ड वोटिंग और राजग को मिले बड़े जनादेश से यह साफ है कि वोटर कांग्रेस नेता की दलीलों से सहमत नहीं थे। राहुल गांधी के 'संविधान बचाओ' कैंपेन का असर कम ही हुआ, लेकिन सत्ताधारी सरकार की तरफ से कोई उलटी कार्रवाई न होने पर भी कैंपेन जारी रखने की उनकी जिद ने भी कैंपेन की हवा निकाल दी। मुद्दों का चुनाव और बेबुनियाद आरोप लगाने की आदत लीडरशिप की खराब छवि दिखाती है। गांधी परिवार को सलाह देने वाले ज्यादातर नेता खुद नाकाम नेता हैं या उन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा। जाहिर है, उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। कांग्रेस से बार–बार अपने घर को ठीक करने की अपील करने पर भी कोई भरोसेमंद जवाब नहीं मिला। इसके नेताओं की खानदानी सोच पार्टी को नीचे खींच रही है, जिसकी वजह से कई काबिल नेताओं को अलग होना पड़ा और शायद और भी जाने वाले हैं। पार्टी और इसके नेताओं को यह समझना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी के एकमात्र संभावित राष्ट्रीय विकल्प के तौर पर देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी है। यह लोकतंत्र के हित में है कि पार्टी एक प्रभावी भूमिका निभा सके।

बिखरते विपक्ष को 'एस.आई.आर.' का सहारा

राजकुमार सिंह

महाराष्ट्र के बाद बिहार में भी एकतरफा हार से पस्त विपक्ष की एकता में उभरती दरारों को भरने में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) मददगार साबित हो सकता है। एस.आई.आर. पर विवाद बिहार से ही शुरू हो गया था। मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, जहां सुनवाई बिहार में विधानसभा चुनाव संपन्न हो जाने के बाद भी जारी है। इसी बीच 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एस.आई.आर. प्रक्रिया से विपक्ष को एकजुटता और आक्रामकता के लिए बड़ा मुद्दा मिल गया है। चार नवम्बर से शुरू यह प्रक्रिया चार दिसम्बर तक पूरी होनी है इस बीच विपक्ष सड़कों पर है और अदालत भी पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में सरकारें भी एस.आई.आर. का विरोध कर रही हैं। स्पष्ट है कि एस.आई.आर. का फैसला करने से पहले चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से तो दूर, संबंधित राज्य सरकारों से भी चर्चा नहीं की। आयोग तर्क दे सकता है कि वह संवैधानिक संस्था है तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए उसे एस.आई.आर. समेत हर जरूरी कदम उठाने का अधिकार है। तर्क गलत भी नहीं, पर इस व्यावहारिकता को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि एस.आई.आर. समेत पूरी चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करवाने में राज्य सरकार के कर्मचारियों की अहम भूमिका रहती है, क्योंकि चुनाव आयोग के पास अपना ज्यादा स्टाफ नहीं होता। जिस राज्य सरकार के कर्मचारियों से चुनाव आयोग को काम लेना है, उसी से उस बाबत चर्चा तक न करना सकारात्मक तस्वीर पेश नहीं करता। आदर्श स्थिति का तो तकाजा है कि चुनाव प्रक्रिया संबंधी फैसलों में सभी राजनीतिक दलों से भी चर्चा की जानी चाहिए, क्योंकि वे उसका बेहद महत्वपूर्ण अंग होते हैं। दोषरहित एस.आई.आर. कराने में राजनीतिक दलों के बी.एल.ए. महत्वपूर्ण मददगार साबित हो सकते हैं। राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों से चर्चा न करने का कारण चुनाव आयोग ही जानता होगा, लेकिन परिणाम परस्पर बढ़ते अविश्वास के रूप में ही सामने आ रहा है, जो अब टकराव में बदलता दिख रहा है। मात्र 30 दिन में एस.आई.आर. संपन्न करने के कथित दबाव में कुछ बी.एल.ओ. की मृत्यु और आत्महत्या की घटनाओं ने हालात को और भी संवेदनशील बना दिया है। जाहिर है, चुनाव आयोग की भूमिका से शुरू सवाल अब उसकी विश्वसनीयता पर लगने लगे हैं, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। चुनाव आयोग असहज सवालों के जवाब देने से कतरा रहा है, तो सत्तारूढ़ दल और गठबंधन उसके बचाव में बोल रहे हैं। वे एस.आई.आर. के विरोध को घुसपैठियों का समर्थन करार दे रहे हैं। इससे संदेह का वातावरण बन रहा है, जिससे विपक्ष के आरोपों को बल भी मिल रहा है। बेशक बिहार का जनादेश बताता है कि एस.आई.आर. और वोट चोरी संबंधी आरोप चुनावी मुद्दा नहीं बन पाए, लेकिन विपक्षी एकता में उजागर होती दरारों को भरने में मददगार साबित होते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल मार्च–अप्रैल में विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच कटुता किसी से छिपी नहीं है। ममता की तृणमूल कांग्रेस द्वारा भाव न दिए जाने के चलते वहां कांग्रेस, वाम दलों के साथ है। पश्चिम बंगाल में वे तृणमूल के साथ मंच शायद न भी सांझा करें, पर एस.आई.आर. का विरोध तो सड़क से संसद तक कर ही रहे हैं। केरल में तो वाम दल सत्ता में हैं और कांग्रेस विपक्ष में, पर एस.आई.आर. के विरोध में दोनों हैं। तमिलनाडु में एम.के. स्टालिन सरकार और उनकी पार्टी द्रमुक भी एस.आई.आर. के विरोध में है, तो राजनीतिक रूप से महत्वाकांक्षी फिल्म स्टार विजय का दल तमिलागा वेट्री कजगम (टी.वी.के.) भी विरोध में सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया है। द्रमुक, एम.डी.एम.के., तृणमूल कांग्रेस, माकपा, कांग्रेस (पश्चिम बंगाल) और इंडियन मुस्लिम लीग भी एस.आई.आर. के विरोध में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव तो 2027 में होने हैं, लेकिन एस.आई.आर. के चलते राजनीति अभी से गरमा गई है। लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिल कर उत्तर प्रदेश में भाजपा को जोरदार झटका दिया था। उसके बाद दोनों में असहजता की खबरें आईं, लेकिन एस.आई.आर. विरोध उन समेत पूरे 'इंडिया' गठबंधन को ही एकजुट और आक्रामक कर सकता है। आखिर सभी विपक्ष दल इसे अपने भविष्य और अस्तित्व के लिए खतरे के रूप में देख रहे हैं। ऐसे में अब जबकि 1 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है, एस.आई.आर. के मुद्दे पर वहां भी राजनीति गरमाएगी। संसद के पिछले सत्र में भी बिहार में एस.आई.आर. पर हंगामा हुआ था, पर उससे प्रभावित हुए बिना सरकार ने मौके का फायदा उठाते हुए अपना विधायी कामकाज निपटा लिया। अब जबकि एक दर्जन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एस.आई.आर. हो रहा है, जिनमें से कुछ राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें भी हैं, संसद में हंगामा होना तय है। अतीत का अनुभव बताता है कि चुनावी राजनीति में आपसी दलगत टकराव के बावजूद विपक्षी दल संसद में सरकार के विरुद्ध एकजुट रणनीति बनाने की कोशिश करते रहे हैं। कुछ मौकों पर उनमें रणनीतिगत भिन्नता भी दिखी है। बेशक अमरीका से ट्रेड डील, भारत–पाक में संघर्ष युद्ध विराम संबंधी ट्रम्प के अंतहीन दावे और दिल्ली में कार बम विस्फोट समेत कई अन्य मुद्दों पर भी विपक्ष मोदी सरकार को घेरना चाहेगा। ऐसे में किसी एक मुद्दे पर कितना जोर देना है और कितनी दूर तक जाना है, यह फैसला संसद सत्र से पहले होने वाली बैठक में विपक्ष को करना पड़ेगा। विपक्ष किसे मुख्य मुद्दा बनाता है और सरकार पर संसद में कितना दबाव बना पाता है, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि एस.आई.आर. के रूप में उसे एक ऐसा मुद्दा मिल गया है, जो उसके सांझा हितों से जुड़ा है। इसलिए एस.आई.आर. विपक्षी एकता में उजागर दरारों को भरने में मददगार भी साबित हो सकता है।

अरुणाचल पर चीन का दावा भाजपा की गलती का नतीजा

चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति और हड़पने वाली नीयत का परिचय देते हुए फिर से अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया है। मंगलवार को चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि जांगनान (अरुणाचल प्रदेश का चीन में दिया नाम) हमारा हिस्सा है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत के अवैध तरीके से बसाए अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी। गौरतलब है कि चीन का यह बयान उस वक्त आया है, जब लंदन में रहने वाली भारतीय मूल की महिला पेम वांगजॉम थांगडॉक के साथ शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी की गई। पेम ने आरोप लगाया था कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं। शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर उनका 3 घंटे का ट्रांजिट था। इस दौरान चीनी अधिकारियों ने उन्हें रोका और उनके भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया था, क्योंकि उसमें जन्मस्थान के तौर पर अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। पेम ने यह भी आरोप लगाया कि वहां मौजूद कई आव्रजन अधिकारी और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के कर्मचारियों ने उनका मजाक उड़ाया और उन्हें चीनी पासपोर्ट के लिए आवेदन करने का तंज कसा।

पेम ने कहा कि जो 3 घंटे का ट्रांजिट होना चाहिए था, वह उनके लिए 18 घंटे का परेशान करने वाला हादसा बन गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्हें न सही जानकारी दी गई, न ठीक से खाना मिला और न ही एयरपोर्ट की सुविधाएं इस्तेमाल करने दी गईं। किसी तरह उन्होंने भारतीय दूतावास से संपर्क किया, तब जाकर उन्हें मदद मिली।दूसरे मुल्क में भारतीय के साथ बदसलूकी का यह पहला मामला नहीं है। पिछले साल ही जब कागजात पूरे न होने पर अमेरिका में रह रहे सैकड़ों भारतीयों को जंजीरों से जकड़कर अमेरिकी सैन्य विमान से वापस भेजा गया, तब भी सवाल उठे थे कि मोदी सरकार इस अपमान पर चुप क्यों है। अपने नागरिकों के सम्मान और भारतीयता की गरिमा के लिए वह आगे क्यों नहीं आती। लेकिन मोदी सरकार ने तब तो अमेरिका का ही बचाव किया कि वे अवैध रूप से रहने वाले लोगों को निकाल रहे हैं और अब भी केवल मुंहजबानी बयान से ही काम चला रही है। चीन पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों के उल्लंघन का आरोप लगा रही है, लेकिन इससे हालात बदलने वाले नहीं हैं।पेम वांगजॉम थांगडॉक के आरोपों पर चीनी प्रवक्ता माओ ने कहा कि, उनके साथ कोई जबरदस्ती, हिरासत या परेशान करने जैसा व्यवहार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि, एयरलाइन ने महिला को आराम, पानी और खाने की सुविधा भी दी। लेकिन इस प्रकरण के बाद फिर से अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताना और भारत के अवैध कब्जे की बात करना यह जाहिर कर रहा है कि चीन की नीयत में कोई सुधार नहीं आया है। चीन के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। चीन चाहे जितना भी इनकार करे, सच्चाई नहीं बदल सकती। मगर इस तरह के बयान देने से अगर हालात सुधरते तो बात ही क्या थी।दरअसल मोदी सरकार पूरा सच सामने नहीं रख रही है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे आज की बात नहीं है। चीन तो यही दावा करता है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया है। चीन को ऐसा दावा करने का हक बाजपेयी सरकार ने ही दिया था। चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन जब 1996 में भारत की यात्रा पर आए थे। तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से उनकी बातचीत ने चीन और भारत के रिश्ते को थोड़ी प्रगाढ़ता दी। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत ने पहली बार तिब्बत को चीन का हिस्सा मान लिया। हालांकि, बदले में चीन ने भी सिक्किम को भारत का हिस्सा माना और सिक्किम के रास्ते भारत–चीन के बीच व्यापार की हामी भरी गई। लेकिन तिब्बत पर भारत की नीति में बदलाव कर अटल बिहारी वाजपेयी ने भूल की थी, क्योंकि इसके बाद चीन के अरुणाचल प्रदेश पर दावे और बढ़ गए।

पलाश मुच्छल संग शादी पर लगा ब्रेक तो स्मृति मंधाना ने शूटिंग से बनाई दूरी, वेडिंग विवाद पर बढ़ा सस्पेंस!

फेमस सिंगर–म्यूजिक डायरेक्टर पलाश मुच्छल 23 नवंबर को क्रिकेट टीम की स्टार बैटर स्मृति मंधाना संग शादी के बंधन में बंधने जा रहे थे कि जैसे कपल की शादी में किसी की नजर सी लग गई। ऐन मौके पर पलाश–स्मृति की शादी पोस्टपोन हो गई। कहा गया कि स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबियत बिगड़ने की वजह से शादी स्थगित करने का फैसला लिया। हालांकि, कहीं सुनने में आया कि पलाश स्मृति के साथ रिश्ते में होते हुए उन्हें चीट कर रहे थे जिसका उन्हें पता चल गया। इस वजह से स्मृति ने केबीसी के स्पेशल एपिसोड में भी आने से मना कर दिया है। दरअसल, वर्ल्ड कप जीत के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 में नजर आने वाली थी जिसकी शूटिंग होने वाली थी, लेकिन स्मृति ने वहां आने से मना कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार स्मृति मंधाना को टीम के अन्य सदस्यों के साथ 26 नवंबर को केबीसी के स्पेशल एपिसोड की शूटिंग करनी थी, लेकिन उन्होंने पर्सनल रीजन का हवाला देते हुए टाल दिया। उनकी अचानक अनुपस्थिति ने फैंस को और भी सोचने पर मजबूर कर दिया कि वास्तव में क्या चल रहा है? स्मृति मंधाना ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से सगाई और शादी से जुड़ी सभी हालिया तस्वीरें हटा दीं। हालांकि, पलाश के साथ उनकी पुरानी तस्वीरें अब भी मौजूद हैं, जिससे स्थिति और भी उलझी नजर आती है। फैंस इस कदम को किसी बड़े विवाद से जोड़ रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे केवल निजी तनाव और पिता की गंभीर स्थिति की वजह बता रहे हैं। भले ही स्मृति मंधाना शामिल नहीं हो सकीं, लेकिन भारतीय टीम की कई दिग्गज खिलाड़ी शो का हिस्सा बनीं। इनकी शूटिंग से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या शादी सिर्फ कुछ दिनों के लिए टली है या वाकई में रिश्ता मुश्किल दौर से गुजर रहा है? फिलहाल परिवार की ओर से केवल इतना ही कहा गया है कि अभी ध्यान पूरी तरह स्मृति के पिता के स्वास्थ्य पर है। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि स्थिति जल्द सामान्य हो और यह खूबसूरत जोड़ी जल्द ही नई शुरुआत करे।

> “
> ऐन मौके पर पलाश-स्मृति की शादी पोस्टपोन हो गई। कहा गया कि स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबियत बिगड़ने की वजह से शादी स्थगित करने का फैसला लिया। हालांकि, कहीं सुनने में आया कि पलाश स्मृति के साथ रिश्ते में होते हुए उन्हें चीट कर रहे थे जिसका उन्हें पता चल गया। इस वजह से स्मृति ने केबीसी के स्पेशल एपिसोड में भी आने से मना कर दिया है।

आमिर खान ने की ‘रंगीला’ दोबारा देखने की अपील, मुन्ना के रोल पर साझा की खास यादें

हिंदी सिनेमा की यादगार फिल्म रंगीला एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है और इस अवसर पर आमिर खान ने एक भावनात्मक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने दर्शकों को 28 नवंबर से सिनेमाघरों में फिल्म का नया 4के रिस्टोर वर्जन को सिनेमा हॉल में आकर देखने के लिए किया और बताया कि यह फिल्म उनके लिए आज भी बेहद खास है। आमिर ने कहा कि रंगीला उनके दिल के सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है गाने उस वक्त बहुत बड़े हिट हुए थे। मुन्ना का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत मजेदार और मनोरंजन से भरा सफर रहा। रामू जी ने कमाल की फिल्म बनाई है। मैं तो यही कहूंगा,दर्शक जरूर थिएटर में जाकर इसे दोबारा देखें।” वीडियो में आमिर ने उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ के काम की सराहना करते हुए कहा कि दोनों कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं को ऐसे निभाया कि आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा हैं। उन्होंने राम गोपाल वर्मा की संवेदनशील दृष्टि की तारीफ करते हुए बताया कि उनकी कहानी कहने की शैली ने रंगीला को समय के साथ और भी खास बना दिया है। आमिर ने भावुक होकर अपने दोस्त और सह–कलाकार राजेश जोशी को भी याद किया, जिन्होंने फिल्म में पक्क्या का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने एक बेहतरीन कलाकार को बहुत जल्दी खो दिया और जोशी का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। फिल्म के रिस्टोर और री–रिलीज को लेकर अल्ट्रा मीडिया के सुशीलकुमार अग्रवाल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, “रंगीला सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एहसास है जिसने पूरी पीढ़ी को प्रभावित किया। इसे 4के में रिस्टोर करना हमारे लिए सम्मान की बात है, ताकि दर्शक इसे उसी भव्यता के साथ दोबारा अनुभव कर सकें। अल्ट्रा रिवाइंड के तहत इसे बड़े पर्दे पर वापस लाना हमारे लिए गर्व का क्षण है।” 28 नवंबर 2025 से देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही रंगीला अब एक नए रूप में रिलीज हो रही है , बेहतर विजुअल क्वालिटी और इमर्सिव साउंड के साथ वही जादू फिर दर्शकों को पर्दे पर देखने को मिलेगा । तीन दशक बाद यह क्लासिक एक बार फिर दर्शकों को उसी रंगीन दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है।

शबाना आजमी ने 120 बहादुर को बताया शानदार, फरहान अखतर पर किया गर्व महसूस

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज की वॉर एपिक 120 बहादुर आखिरकार बड़े पर्दों पर रिलीज हो गई है। साल की सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्मों में से एक, इस फिल्म को मीडिया और सेलेब्रिटीज दोनों से शानदार शुरुआती रिव्यू मिल रहे हैं। थिएटर में आते ही 120 बहादुर पूरे देश की सबसे बड़ी चर्चा बन गई है। ऐसे में अब जब हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है, तो मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी ने भी फरहान अख्तर के प्रदर्शन की सराहना की है और साथ ही पूरी टीम को बधाई दी है। शबाना आजमी ने अपने सोशल मीडिया पर फरहान अख्तर की एक तस्वीर शेयर की और साथ में लिखा है। बहुत–बहुत गर्व है तुम पर / मुझे 120 बहादुर बहुत पसंद आई और तुम्हारा अभिनय ईमानदार, दिल से किया हुआ और बहुत सधा हुआ लगा। यकीन नहीं होता कि जिसने शैतान सिंह का रोल किया है, वही एक्टर जिंदगी न मिलेगी दोबारा में इमरान बना था। तुम्हें, रितेश सिधवानी को और पूरी टीम को ढेर सारी बधाई।

ड्रग्स केस में पूछताछ के बाद पार्टी मूड में दिखे ओरी, डांस वीडियो शेयर कर लिखा–‘बस मुझे जीने दो’

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवात्रामणि, जिन्हें ओरी के नाम से जाना जाता है, इन दिनों 252 करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले को लेकर हुई पूछताछ के कारण सुर्खियों में हैं। बुधवार को मुंबई पुलिस की एंटी–नारकोटिक्स सेल ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के कुछ घंटे बाद ही ओरी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शेयर किए गए वीडियो में ओरी एक पब में पार्टी करते दिखाई दे रहे हैं। वह फिल्म डॉन के लोकप्रिय गाने ‘आज की रात’ पर थिरकते दिखे। तेज संगीत पर झूमते हुए एक मौके पर उन्होंने छलांग लगाई, वहीं बीच में कैमरे की ओर बीच की उंगली दिखाते हुए भी नजर आए। वीडियो के कैप्शन में ओरी ने लिखारू ”बस मुझे जीने दो। ओरी के इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर प्रतिक्रिया दी। कमेंट सेक्शन में कई लोगों ने मजाक में सवाल पूछे, तो कुछ ने तंज भी कसे। बता दें कि 252 करोड़ रुपये के बड़े ड्रग्स केस से जुड़े एक महत्वपूर्ण खुलासे के बाद ओरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। कथित ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम उर्फ सुहैल शेख ने पूछताछ में दावा किया था कि उसने मुंबई और दुबई में कई हाईदृप्रोफाइल पार्टियां आयोजित कीं। इन पार्टियों में कथित रूप से कई मशहूर हस्तियों के शामिल होने की बात सामने आई, जिनमें नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर, सिद्धांत कपूर, फिल्ममेकर अब्बासदृमस्तान, रैपर लोका के नाम शामिल हैं। इसी सिलसिले में ओरी को भी बुधवार को एंटी,नारकोटिक्स टीम के सामने पेश होना पड़ा।

पर्दे पर फिर छाएगी रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी! अयान मुखर्जी बनाएंगे राज कपूर की ‘चोरी चोरी’ का मॉडर्न वर्जन

आखिरकार ऐसा हो सकता है! दस साल के लंबे इंतज़ार के बाद, रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। और सिर्फ़ किसी फ़िल्ममेकर के लिए नहीं, वे अपनी श्ये जवानी है दीवानीश के डायरेक्टर अयान मुखर्जी के लिए साथ आ रहे हैं। यह प्रोजेक्ट कई तरह से खास होगा। सबसे पहले, इसमें आज के ज़माने की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक का बहुत इंतज़ार किया जा रहा ऑनस्क्रीन रीयूनियन देखने को मिलेगा। और दूसरी बात, यह रणबीर के परदादा राज कपूर और नरगिस की क्लासिक श्चोरी चोरीश पर आधारित होगी।

प्रोजेक्ट के बारे में डिटेल्स

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर–डीपी स्टारर यह फ़िल्म 1956 की क्लासिक को एक मॉडर्न ट्रिब्यूट होगी। श्चोरी चोरीश में एक भागी हुई वारिस और एक मज़ाकिया रिपोर्टर की कहानी दिखाई गई थी। दोनों एक सफ़र के दौरान मिलते हैं और उनके बीच एक बॉन्ड बनता है। रणबीर, जो त्ज्ञ थ्पसउे को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं, इस फ़िल्म को इसी मशहूर बैनर के तहत बनाएंगे। इस प्रोजेक्ट के साथ, रणबीर मशहूर त्ज्ञ फिल्म्स बैनर को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम परिवार की विरासत को वापस लाने में उनकी पर्सनल दिलचस्पी की वजह से उठाया गया है। आने वाली फिल्म के नए बैनर के तहत पहला टाइटल होने की उम्मीद है। अयान के डायरेक्टर बनने और रणबीर–दीपिका की लीडिंग कास्ट के साथ, यह फिल्म न सिर्फ एक बड़ी ऑनस्क्रीन रीयूनियन है, बल्कि राज कपूर–नरगिस की लैंडमार्क जोड़ी को एक मॉडर्न ट्रिब्यूट भी देती है। आने वाले प्रोजेक्ट में कपूर और पादुकोण 10 साल बाद फिर से साथ काम करेंगे, उनकी पिछली फिल्म तमाशा (2015) के बाद। ये जवानी है दीवानी में उनकी जोड़ी को फैंस ने बहुत पसंद किया था। इस बीच, रणबीर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर की शूटिंग में बिज़ी हैं। वह रामायण की भी शूटिंग कर रहे हैं। दूसरी ओर, दीपिका अगली बार शकिंगश और अल्लू अर्जुन के साथ एक फिल्म में दिखेंगी।

अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती ने बॉयफ्रेंड संग की शादी, अमेरिकी बिजनेसमैन को बनाया हमसफर

बंगाली अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती ने आखिरकार अपने बॉयफ्रेंड और अमेरिकी बिजनेसमैन सुजीत बसु के साथ सात फेरे ले लिए हैं। यह शादी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। लास वेगास के खूबसूरत रेड रॉक कैन्यन में दोनों ने शादी की है। इस खास दिन की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने साझा की हैं। लंबे समय से अमेरिका में छुट्टियां बिताती नजर आ रहीं तनुश्री दरअसल अपने जीवन के इस नए अध्याय की तैयारी में थीं, जिसे उन्होंने अब खूबसूरती से दुनिया के सामने साझा किया है। दोनों की मुलाकात करीब दो साल पहले कोलकाता में एक दोस्त के जरिए हुई थी। तनुश्री अपने रिश्ते को लेकर बताती हैं कि अपने वर्कआउट सेशन के तुरंत बाद अनौपचारिक लुक में उनसे मिली थीं, लेकिन बावजूद इसके वह पहली ही मुलाकात में एक जुड़ाव महसूस कर बैठी थीं। दूसरी तरफ सुजीत भी उसी पल दिल हार बैठे थे। पहले दोस्ती और फिर दूरी के चलते वर्चुअल बातचीत– इन सबके बीच उनका रिश्ता धीरे–धीरे प्रेम में बदल गया। जब तनुश्री अमेरिका छुट्टियों पर गईं, तो उनके साथ बिताए गए पलों ने रिश्ते को और मजबूत कर दिया। लंबी ड्राइव्स, लंबी बातचीत और एक–दूसरे की मौजूदगी ने दोनों को यह एहसास करा दिया कि वह अपना जीवन साथ बिताना चाहते हैं।

ब्रेकफास्ट में बनाएं न्यूट्रिशन से भरपूर ओट्स उपमा, झटपट बनकर हो जाएगा तैयार

अक्सर सुबह के समय लोगों के पास कम समय होता है। लेकिन इस भागदौड़ के बीच कुछ ऐसा खाना बेहद जरूरी होता है, जो स्वादिष्ट होने के साथ न्यूट्रिशन्स से भरपूर हो और हमें पूरा दिन एनर्जी दे सके। सुबह के समय अक्सर हम जल्दबाजी में ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं या फिर कुछ रेडीमेड खा लेते हैं। भले ही इससे आपका पेट भर जाता है, लेकिन इससे शरीर को न तो ताकत मिलती है और न ही पोषण मिलता है। ऐसे में यदि रोजाना एक जैसा नाश्ता बनाया जाए, तो भी इससे बोर हो जाते हैं। इसलिए लगभग हर किसी के साथ यह दुविधा होती है कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट होने के साथ टेस्टी भी हो। अगर आप भी सुबह के ब्रेकफास्ट को लेकर कंफ्यूज रहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे परिवार के सभी सदस्यों का पेट भी भर जाएगा और आपके शरीर को भरपूर न्यूट्रिशन भी मिलेंगे। बता दें कि आप घर पर आसानी से ओट्स और सब्जियों से बनने वाले उपमा को बना सकती हैं।

ओट्स सामग्री

ओट्स– 1 कप
सरसों– 1 टीस्पून
तेल– 2 चम्मच
जीरा– आधा टीस्पून
उड़द की दाल– आधा टीस्पून
काजू– 8–10
अदरक– आधा इच
करी पत्ते– 5–7
हरी मिर्च– 1
प्याज– 1 छोटा
पानी– 1 कप
मिर्च– स्वादानुसार
नमक–स्वादानुसार
हल्दी– चौथाई टीस्पून
मूंगफली– मुट्ठी भर (भुनी हुई)
गाजर– आधी
शिमला मिर्च– आधी
बीन्स– चौथाई कटोरी
मटर– चौथाई कटोरी

ऐसे बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स उपमा बनाने के लिए सबसे पहले एक कप ओट्स लें। इसको 3–4 मिनट तक पैन में भूनें।

अगर आप इंस्टेंट ओट्स ले रही है, तो इनको भूनने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप सीधे तौर पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक पैन में 2 चम्मच तेल डालकर इसमें उड़द की दाल, सरसों, करी पत्ता, जीरा और काजू डालकर हल्के ब्राउन होने तक भूनें।

फिर इसमें हरी मिर्च, प्याज और अदरक डालें। प्याज को हल्का नरम हो जाने तक पकाना है।

अब इसमें सारी सब्जियां डाल दें और गाजर, मटर, शिमला मिर्च और बीन्स डालें।

इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर अच्छे से चलाएं और फिर पानी डालकर पकने दें।

इसमें धनिया और नींबू का रस मिलाएं।

फिर ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डाल दें।

इस तरह से ओट्स उपमा बनकर तैयार हो जाएगा।

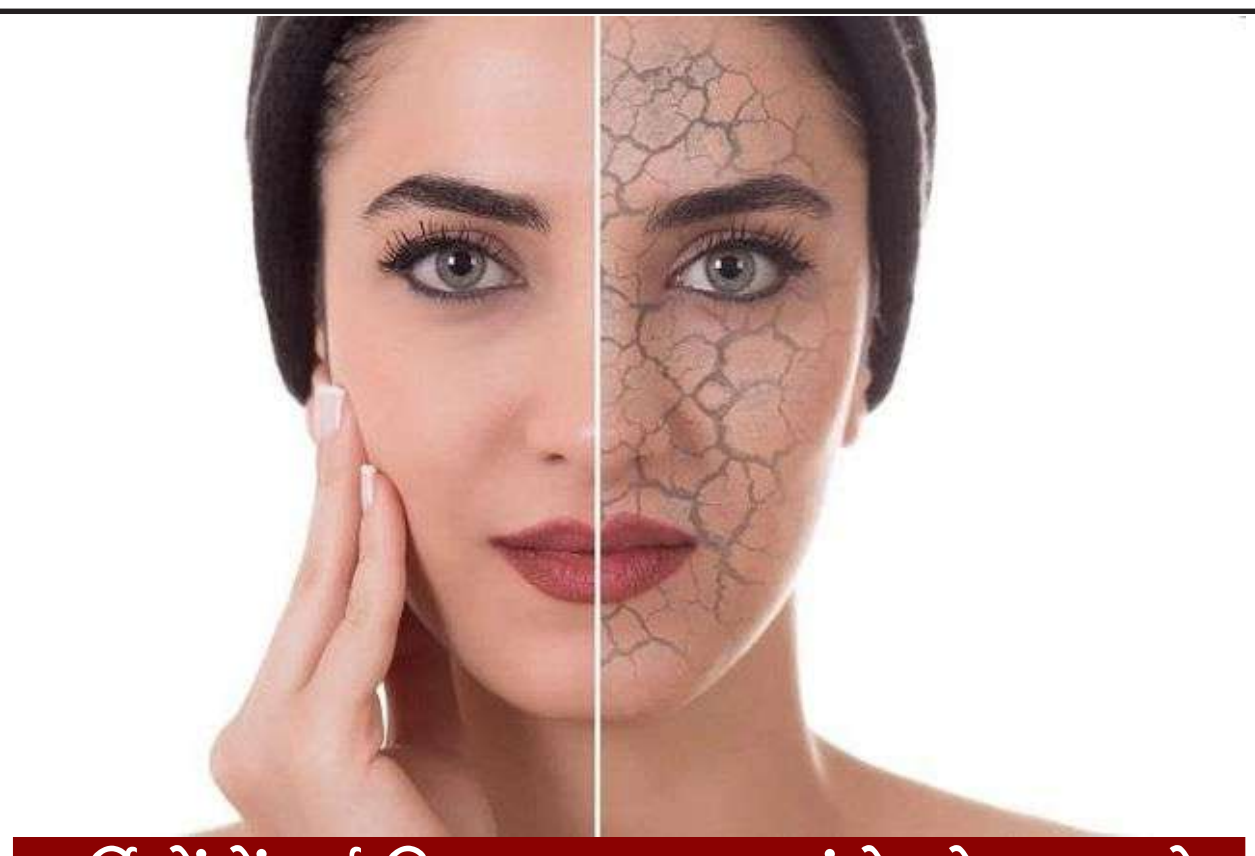

सर्दियों में ड्राई स्किन ? अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, पाएं हेल्दी और मॉइश्चराइज्ड त्वचा

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण अक्सर हमारी त्वचा सूखी और रूखी हो जाती है। इस समय स्किन को सही देखभाल की जरूरत होती है, और अगर आप अपने चेहरे की नमी को लंबे समय तक बनाए रखना चाहते हैं, तो घरेलू नुस्खे बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। बाजार में मिलने वाले लोशन और क्रीम कुछ समय के लिए मदद करते हैं, लेकिन उनकी नमी जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक तरीके से हाइड्रेट रखें।

केला और वैसलीन का उपयोग

सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन की समस्या आम है, लेकिन इसे हल करने के लिए केला और वैसलीन का उपयोग एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। केला पोषक तत्वों से भरपूर होता है और त्वचा को गहराई तक मॉइश्चराइज करने में मदद करता है, जबकि वैसलीन त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाकर नमी को लॉक करता है। इस उपाय को अपनाने के लिए आधे पके केले को छीलकर एक कटोरी में मैश करें। इसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करें और चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह नुस्खा त्वचा को गहरी नमी देता है, जिससे त्वचा न केवल हेल्दी रहती है, बल्कि अधिक मुलायम और चमकदार भी बनती है। इसे हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें, ताकि ड्राई स्किन से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सके।

ग्लिसरीन और गुलाब जल का इस्तेमाल

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का संयोजन बेहद असरदार साबित होता है। गुलाब जल त्वचा को ताजगी प्रदान करता है, जबकि ग्लिसरीन त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद करता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए एक स्प्रे बोतल लें और उसमें 2 चम्मच ग्लिसरीन और 2 चम्मच गुलाब जल डालें। इसे अच्छे से मिक्स करें ताकि यह एक टोनर की तरह काम करे। इस टोनर को दिन में 2 बार अपने चेहरे पर स्प्रे करें। यह न केवल त्वचा को हाइड्रेट रखेगा, बल्कि त्वचा के पोर्स को भी लॉक करेगा, जिससे ठंडी हवा का असर आपकी त्वचा पर नहीं पड़ेगा। नियमित उपयोग से आपकी स्किन नर्म, मुलायम और शाइनी बनी रहेगी। इसे खासतौर पर सोने से पहले इस्तेमाल करना अधिक लाभकारी होता है।

मुल्तानी मिट्टी और घरेलू मिश्रण

मुल्तानी मिट्टी का नाम सुनते ही अक्सर ऑयली स्किन की देखभाल का ख्याल आता है, लेकिन यह ड्राई स्किन के लिए भी एक शानदार उपाय है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा से अशुद्धियों को साफ करने के साथ–साथ उसे फ्रेश और नरम बनाती है। इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आप इसमें नींबू, शहद या दही जैसी प्राकृतिक चीजें मिला सकते हैं। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और उसमें 1 चम्मच शहद और 2 चम्मच दही मिलाएं। इसे एक गाढ़ा पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करें। यह मिश्रण त्वचा को गहराई तक मॉइश्चराइज करता है और ड्राईनेस को दूर करता है। हफ्ते में एक बार इसका इस्तेमाल आपकी स्किन को सर्दियों में हेल्दी बनाए रखेगा।

कुछ जरूरी बातें

एक्सपर्ट से सलाह लें

घरेलू नुस्खे जितने प्रभावी होते हैं, उतना ही जरूरी है कि इन्हें अपने स्किन टाइप के अनुसार इस्तेमाल करें। सेंसिटिव स्किन वाले लोग किसी भी नुस्खे को अपनाने से पहले एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें। सही सलाह से आप बेहतर नतीजे पा सकते हैं और त्वचा को होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

ग्लिसरीन का सावधानी से इस्तेमाल करें

ग्लिसरीन स्किन को गहराई तक नमी देने में मदद करता है, लेकिन इसे डायरेक्ट त्वचा पर लगाने से जलन या चिपचिपापन हो सकता है। इसलिए इसे हमेशा गुलाब जल या अन्य सामग्रियों के साथ मिक्स करके ही इस्तेमाल करें। यह नुस्खा अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनता है।

सर्दी में पैच टेस्ट जरूरी है

सर्दियों में त्वचा संवेदनशील हो जाती है, जिससे किसी भी नई सामग्री का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी हो जाता है। पैच टेस्ट से आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी त्वचा उस सामग्री को सहन कर पाएगी या नहीं। यह त्वचा पर रैशेज या जलन जैसी समस्याओं को रोकने में मदद करता है। सर्दी में स्किन की देखभाल करना मुश्किल नहीं है। बस थोड़ी सी सावधानी और घरेलू नुस्खों का सही इस्तेमाल आपकी त्वचा को खूबसूरत और मुलायम बनाए रखेगा।

नोटः चेहरे पर कोई भी चीज लगाने से पहले पैच टेस्ट करें और एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। इस तरह आप अपनी त्वचा को सर्दी के मौसम में सुरक्षित और हेल्दी रख सकते हैं। इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो, तो इसे शेयर जरूर करें।

बच्चे की है पहली सर्दी तो जान लें उसे नहलाने से लेकर खिलाने तक का सही तरीका

सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, इसके साथ ही न्यू पेरेंट्स की चिंताएं भी बढ़ जाती है। इस मौसम में छोटे बच्चों को सर्दी–जुकाम, खांसी जैसी समस्याएं आम हो जाती है, क्योंकि इस समय उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है और वे ठंड से प्रभावित हो सकते हैं। अगर बच्चे की पहली सर्दी है तो उसका खास ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है, चलिए जानते हैं शिशु की देखभाल करने के कुछ टिप्स।

गर्म कपड़े

बच्चे को लेयरिंग करके कपड़े पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। कॉटन इनरवियर, ऊनी स्वेटर और गर्म मोजे उपयोगी हैं। सिर, कान, और पैरों को ढककर रखें क्योंकि ये हिस्से जल्दी ठंडे हो सकते हैं।

त्वचा की देखभाल

सर्दियों में शिशु की त्वचा शुष्क हो सकती है। उनके शरीर पर मॉइस्चराइजर और नारियल तेल लगाएं। गुनगुने पानी से नहलाने के बाद मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाना चाहिए। बच्चे की त्वचा और कपड़ों को साफ और सूखा रखें। कमरे में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें ताकि हवा में नमी बनी रहे।

पोषण

अगर बच्चा ठोस आहार लेने लगा है, तो उसके भोजन में गुनगुने सूप, दलिया और पौष्टिक चीजें शामिल करें। शिशु को ब्रेस्टफीडिंग या फार्मूला फीडिंग से आवश्यक पोषण मिलता है।

क्या सर्दियों में शिशु को रोज नहलाना चाहिए?

शिशु को रोज नहलाना जरूरी नहीं है, खासकर जब मौसम बहुत ठंडा हो। उन्हें तीन दिन में एक बार गुनगुने पानी से नहलाना पर्याप्त है। नहाने के बजाय एक साफ तौलिए से बच्चे को साफ कर सकते हैं और मॉइस्चराइजर लगाएं। नहलाने के बाद तुरंत कपड़े पहनाएं ताकि ठंड से बचाव हो सके।

अतिरिक्त टिप्स

– अगर शिशु को सर्दी या खांसी हो, तो डॉक्टर से परामर्श करें।

– नियमित मालिश से उनके शरीर में गर्माहट बनी रहती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

– सर्दियों में शिशु की देखभाल के लिए सावधानी बरतना बेहद महत्वपूर्ण है।

– इस मौसम में अतिरिक्त देखभाल से उनके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सकता है।

सर्दियों में बार–बार एक्ने–पिंपल कर रहे हैं परेशान तो ऐसे पाएं छुटकारा

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा पिंपल्स की समस्या बढ़ने लगती है। ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों को एक्ने की समस्या झेलने पड़ती है। जिस कारण से सीबम का प्रोडक्शन हो सकता है। विंटर में बाहरी हवा की वजह से स्किन ड्राई होने लगती है। जिससे ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों की भी एक्ने की समस्या बढ जाती है।

जानें एक्न–पिंपल्स कैसे पाएं छुटकारा

चेहरे को बार–बार न छुएं

स्किन की ड्राईनेस दूर करने के लिए मॉइश्चराइज करना जरुरी होता है। सर्दियों में हीटर, ब्लोअर में रहने, गर्म पानी से मुंह धोने की वजह से स्किन का हाइड्रेशन खत्म होने लगता है। स्किन को ड्राईनेस से जरुर बचाएं।

एलोवेरा जेल लगाएं

अगर आप भी सर्दियों में बार–बार एक्ने निकल रहे हैं, तो आप रात को एलोवेरा जेल लगाकर सो सकते है। यह ऑयल को कंट्रोल करता है और एक्ने से राहत देता है बल्कि स्किन की जलन को भी दूर करता है साथ ही हाइड्रेशन भी देता है।

पिंपल पर लगाएं ये फेस पैक

जिन लोगों को पिंपल और एक्ने की समस्या रहती है वो लोग इस पैक को जरुर लगाएं। इसे बनाने के लिए दालचीनी पाउडर एक चम्मच लेकर उसमें मेथी का पाउडर मिला लीजिए। इसके साथ ही नींबू के रस की कुछ बूंद मिलाकर गाढ़ा चिपचिपा सा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर्फ पिंपल पर लगाएं और इसे लगे रहने दें। इसे आप 2–3 घंटे तक लगे रहने दे या फिर रातभर छोड़ दीजिए, अगले सुबह चेहरे को धो ले। पिंपल खत्म करने में ये फेस पैके मदद करेगा।

ओट्स का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए ओट्स का पाउडर, शहद और दही को बराबर हिस्सों लेकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे पिंपल की समस्या दूर होती है और जलन में राहत होती है।

संक्षिप्त

AI, नई तकनीकों में युवा भारत का दबदबा, पीयूष गोयल ने गिनाई बड़ी बढ़त की वजहें

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत की युवा और तकनीक–अनुकूल आबादी, नए कौशल, नई तकनीकों और काम करने के नए तरीकों को अपनाने में देश को कई विकसित देशों की तुलना में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाती है। दिल्ली में फिक्की की 98वीं वार्षिक आम बैठक में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की जनसांख्यिकीय ताकत, तेजी से डिजिटल अपनाने के साथ मिलकर, देश को एक ऐसी दुनिया में मजबूती से स्थापित करती है जिसे उभरती प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा नया रूप दिया जा रहा है। गोयल ने कहा कि ऐसे समय में जब ज़्यादातर विकसित देश बढ़ती उम्रदराज़ आबादी से जूझ रहे हैं, भारत को कौशल विकास में बड़ी बढ़त हासिल है। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र वाले समाजों को भी एक चुनौती का सामना करना पड़ता है, एक परिपक्व कार्यबल जो काम करने के एक ख़ास तरीक़े का आदी हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत में युवा आबादी है, जो बहुत कम उम्र में ही इंटरनेट से जुड़ गई है, और एक अरब इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, ऐसे में भारत में स्मार्ट बच्चों का इंटरनेट से जुड़ना, डिजिटल रूप से समझदार होना, दुनिया भर में हो रही घटनाओं पर नज़र रखना, नए विचारों के साथ प्रयोग करना और सीखने के लिए तैयार रहना, यह हमारे लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक है। उन्होंने रोज़मर्रा के अनुभवों से तुलना करते हुए बताया कि युवा पीढ़ी स्वाभाविक रूप से नई तकनीकों को बहुत तेज़ी से अपनाती है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे तकनीक को अपनाते हैं, वे हमारी तुलना में इसे बहुत तेज़ी से अपनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कई विकसित देशों में, बढ़ती संख्या में लोग धीरे–धीरे सामाजिक कल्याण प्रणालियों की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि वे बदलती तकनीकों और कार्य–पद्धतियों के अनुकूल नहीं हो पा रहे हैं। भारत की ताकत पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि युवा भारतीय डिजिटल रूप से जागरूक हैं, वैश्विक विकास से अवगत हैं, नए विचारों के साथ प्रयोग कर रहे हैं और सीखने के इच्छुक हैं। गोयल ने देश में एआई उपकरणों को तेज़ी से अपनाए जाने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, ष्हम सभी जानते हैं कि चौटजीपीटी, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता आधार है, आज भारत में है।

एप्पल 11 दिसंबर को नोएडा में खोलेगा अपना पांचवां भारतीय स्टोर

एप्पल ने भारत में अपना पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने की शुक्रवार को जानकरी दी। कंपनी बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। इसमें कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज चालू वित्त वर्ष में 30,000 करोड़ रुपये राजस्व संभावना वाले भूखंड खरीदेगी

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय मांग को मजबूत मानते हुए चालू वित्त वर्ष में करीब 30,000 करोड़ रुपये राजस्व की संभावना वाली कई भूखंड खरीदने की योजना बनाई है। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने पीटीआई–के साथ बातचीत में कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में नए भूखंडों का अधिग्रहण तेज रहा है और दूसरी छमाही के लिए भी स्थिति मजबूत दिख रही है। रियल एस्टेट कंपनी ने हाल ही में घोषित किया था कि वह 20,000 करोड़ रुपये के कारोबार विकास लक्ष्य को पार कर चुकी है। पिरोजशा ने कहा, जमीन बाजार में मौजूद तेजी को देखते हुए लक्ष्य सावधानी से तय किए जाते हैं लेकिन इस वित्त वर्ष में हमारा कम–से–कम 30,000 करोड़ रुपये की सकल राजस्व संभावना वाले जमीन सौदे करने का अनुमान है। कंपनी ने हाल ही में नागपुर में 75 एकड़ जमीन खरीदी है, जहां लगभग 755 करोड़ रुपये की परियोजना विकसित की जाएगी। इसी महीने इसने दक्षिण बेंगलुरु में 30 एकड़ जमीन खरीदकर 3,500 करोड़ रुपये की टाउनशिप परियोजना लाने की भी घोषणा की। पिरोजशा ने बताया कि पहली छमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 15,587 करोड़ रुपये हो गई। इसके साथ ही उन्होंने समूचे वित्त वर्ष के लिए 32,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करने का भरोसा जताया। कंपनी दिल्ली–एनसीआर, मुंबई एमएमआर, पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित कई शहरों में आवासीय परियोजनाओं के विकास से जुड़ी हुई है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 103.96 अंक चढ़कर 85,824.34 अंक पर और एनएसई निफ्टी 36.2 अंक की बढ़त के साथ 26,251.75 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, टेक महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर में सबसे अधिक बढ़त दर्ज की गई। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे जबकि चीन का एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार 'थैंक्सगिविंग' अवकाश के कारण बृहस्पतिवार को बंद रहे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,255.20 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,940.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अगले महीने श्रीलंका से पांच टी20 मैच खेलेगी भारतीय महिला टीम, क्या एक्शन में दिखेंगी स्मृति मंधाना?

मुंबई। हाल ही में महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर एक्शन में लौटने को तैयार है। टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 21 दिसंबर से विशाखापटनम में शुरू होगी। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस सीरीज में स्मृति मंधाना एक्शन में दिखेंगी? हाल ही में हुई घटनाओं के बाद क्या वह टीम इंडिया में वापसी करेंगी या नहीं, इस पर संशय है। पिछले कुछ दिनों में उनकी कोई प्रतिक्रिया या बयान नहीं आया है और ऐसे में वह टीम इंडिया से कुछ और समय के लिए दूर रह सकती हैं।

बांग्लादेश दौरा स्थगित, श्रीलंका सीरीज बनी नया विकल्प

भारत को पहले बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने थे, लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के चलते यह दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई ने खाली स्लॉट में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज की घोषणा की।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी का आगाज

यह सीरीज भारत के लिए केवल एक मुकाबला नहीं, बल्कि 2026 के टी20 महिला विश्व कप की तैयारी का शुरुआती कदम मानी जा रही है, जो जून में आयोजित होगा। वनडे विश्व कप जीतने के बाद भारत का अगला लक्ष्य अब टी20 विश्व चौंपियन बनना है। पिछले संस्करण में भारत शुरुआती चरण में ही बाहर हो गया था, जब टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद

टीम ने वापसी करते हुए वेस्टइंडीज को 2–1 और इंग्लैंड को 3–2 से हराया है।

मंधाना क्यों चर्चा में?

दरअसल, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुछाल की शादी इन दिनों सोशल मीडिया और फैन्स के बीच चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है। जिस शादी की तैयारियों को लेकर फैंस बेहद उत्साहित थे, वह अब अस्पष्टता और अफवाहों के घेरे में है। 23 नवंबर को शादी के दिन ही स्मृति के पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद शादी की रस्में अनिश्चित समय के लिए टाल दी गईं। इस घटना का असर सिर्फ परिवार पर ही नहीं पड़ा, बल्कि इस तनाव के चलते दूल्हे पलाश की तबीयत भी खराब हो गई और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। सोशल मीडिया पर चल रहे स्क्रीनशॉट्स और अटकलों के बीच पलाश के परिवार ने साफ किया कि शादी की तारीख आगे बढ़ाने का फैसला सिर्फ हेल्थ इमरजेंसी की वजह से लिया गया था। हालांकि, इस बीच स्मृति मंधाना ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल से शादी से जुड़े पोस्ट हटा दिए थे। इससे अटकलें और तेज हो गईं थीं कि क्या सिर्फ तारीख नहीं, रिश्ता भी कठिन दौर से गुजर रहा है?

तीनों प्रारूप में कोच बने रहेंगे गौतम गंभीर, द. अफ्रीका से हार के बावजूद BCCI ने जताया भरोसा

नई दिल्ली। पिछले एक साल में टीम इंडिया को घर पर दो टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद भले ही आलोचना तेज हो गई हो, लेकिन इसके बावजूद गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल कोचिंग सेटअप में किसी बदलाव पर विचार नहीं किया जा रहा है। एक बोर्ड अधिकारी के हवाले से एएनआई ने लिखा, वह तीनों फॉर्मेट के हेड कोच बने रहेंगे, किसी बदलाव पर विचार नहीं हो रहा।

लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार से बढ़ी नाराजगी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0–2 की टेस्ट सीरीज हार ने भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास पर बड़ा असर डाला है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भी भारत को 0–3 से क्लीन स्वीप किया था। गुवाहाटी टेस्ट में 408 रन की करारी हार के बाद फैन्स ने गौतम गंभीर की काफी आलोचना की थी। यह हार भारत की टेस्ट इतिहास में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार थी।

भारत का घरेलू किला ढह रहा है

भारत ने अपने घरेलू मैदान पर तीसरी बार टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेला है। इससे पहले साल 2000 में दक्षिण अफ्रीका

ने ही भारत को घर पर 2–0 से हराया था। इसके बाद 2024 में न्यूजीलैंड ने 3–0 से सफाया किया था। कभी घर पर अजेय कही जाने वाली टीम इंडिया के लिए घरेलू प्रभुत्व वाली टीमों में शामिल होना अब चुनौती बनता जा रहा है।

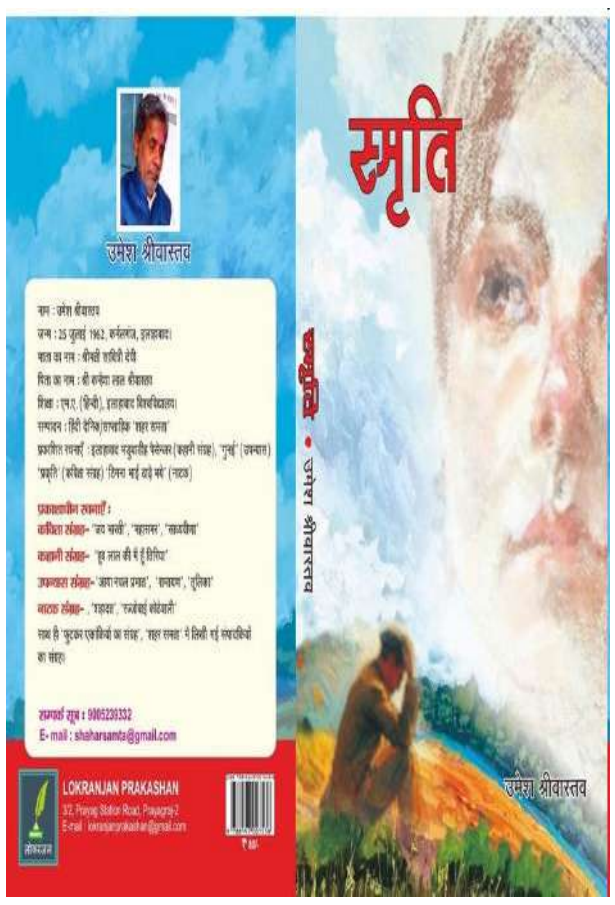

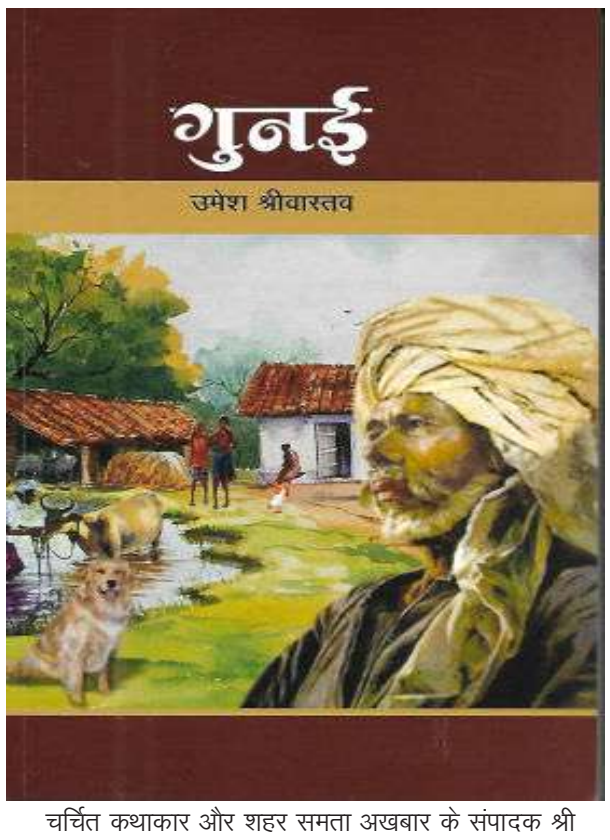

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

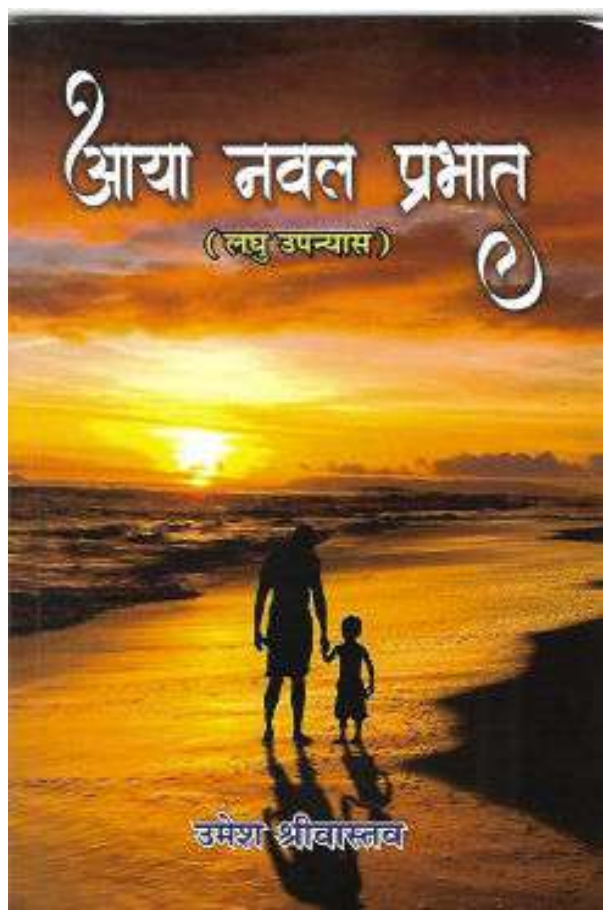

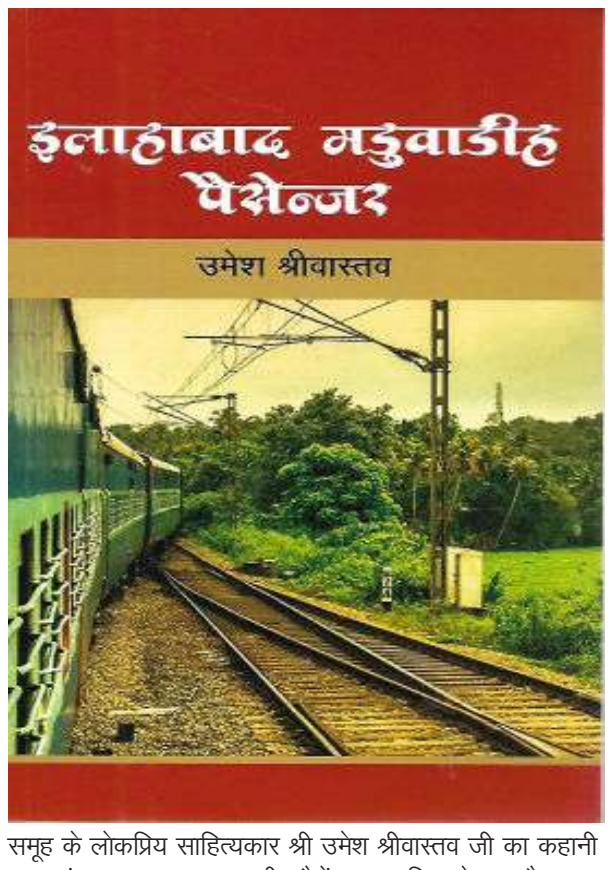

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

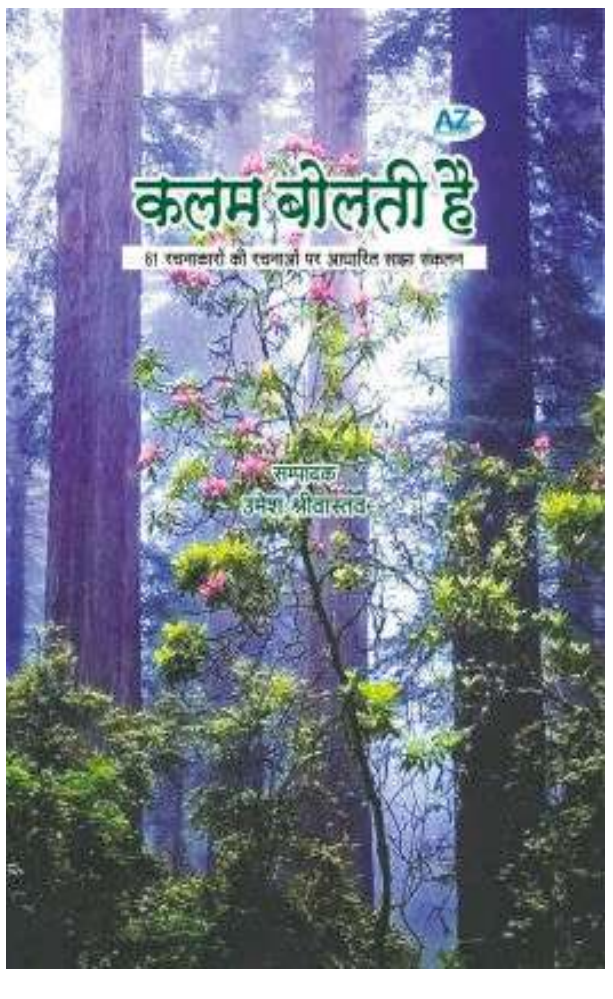

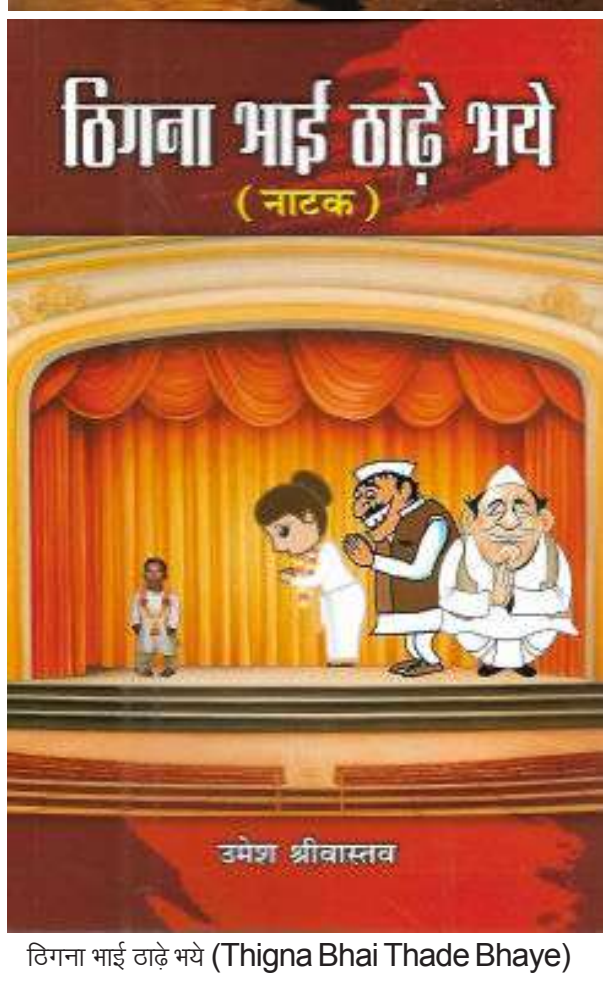

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिकी शांति योजना वार्ता के लिए शुरुआती बिंदु : व्लादिमीर पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव वार्ता के लिए एक प्रारंभिक बिंदु है। उन्होंने यूक्रेनी सेना से कहा कि वे पीछे हट जाएं, अन्यथा रूस की बड़ी सेना उन्हें पराजित कर देगी। पुतिन ने किर्गिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा के अंत में पत्रकारों से कहा, हमें बैठकर इस पर गंभीरता से चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हर शब्द मायने

रखता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को एक समझौते के मसौदे के बजाय चर्चा के लिए रखे गए मुद्दों का एक समूह बताया। रूसी नेता ने कहा, अगर यूक्रेनी सैनिक अपने कब्जे वाले इलाकों से हट जाएं, तो शत्रुता समाप्त हो जाएगी। अगर वे नहीं हटते, तो हम बल के बूते ऐसा करेंगे। क्रेमलिन के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा पेश की गई शांति योजना के बारे में अब तक कुछ खास नहीं कहा है। ट्रंप द्वारा समझौते के लिए लगातार प्रयास किए जाने के बावजूद, पुतिन ने यूक्रेन में अपने लक्ष्यों से पीछे हटने की कोई इच्छा नहीं दिखाई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के उत्तरी सूमी क्षेत्र में एक रूसी ड्रोन हमले में 53 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बृहस्पतिवार तड़के यूक्रेन के ओदेसा और निप्रोपेत्रोव्यस्क क्षेत्रों पर भी हमला किया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए और आग लग गई। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात भर यूक्रेन पर 142 ड्रोन दागे। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा ने विभिन्न रूसी क्षेत्रों और काला सागर के ऊपर रात भर में 118 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया।

श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हुई

श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गयी है, जिसके बाद शुक्रवार को सरकारी कार्यालय और स्कूल बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक श्रीलंका पिछले सप्ताह से ही खराब मौसम की समस्या से जूझ रहा है और बृहस्पतिवार को भारी बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई, जिससे घरों, खेतों तथा सड़कों पर पानी भर गया एवं देश भर में भूस्खलन की कई घटनाएं हुईं। देश के मध्यपर्वतीय चाय उत्पादक क्षेत्रों बादुल्ला और नुवारा एलिया में बृहस्पतिवार को भूस्खलन से 25 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। यह इलाका राजधानी कोलंबो से करीब 300 किलोमीटर दूर है। सरकार के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, बादुल्ला और नुवारा एलिया क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 21 लोग लापता हैं तथा 14 घायल हो गए हैं। मौसम की स्थिति खराब होने के कारण सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों और स्कूलों को बंद करने की घोषणा की। भारी बारिश के कारण अधिकांश जलाशय और नदियां उफान पर हैं, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इस बीच, कोलंबो में खराब मौसम के कारण शुक्रवार को पश्चिम एशिया की तरफ तीन और मलेशिया से आ रही एक उड़ान के मार्ग परिवर्तित कर उन्हें केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (टीआईएएल) ने यह जानकारी दी।

जापान में एलजीबीटी जोड़ों को झटका! टोक्यो हाई कोर्ट ने शादी पर रोक को ठहराया जायज, जानें क्या है नया मामला

जापानी अदालत ने देश में समलैंगिक विवाह पर लगे प्रतिबंध को संवैधानिक माना है। इस तरह, टोक्यो उच्च न्यायालय अब तक देश भर में दायर छह समान मुकदमों में सरकार के रुख का समर्थन करने वाला एकमात्र उच्च न्यायालय बन गया है। अदालत ने फैसला सुनाया कि समलैंगिक जोड़ों को विवाह करने से रोकने वाले मौजूदा नागरिक कानून प्रावधान मौजूदा परिस्थितियों में उचित बने हुए हैं। यह साप्पोरो, टोक्यो, नागोया, ओसाका और फुकुओका में उच्च न्यायालय के पूर्व के फैसलों के विपरीत है, जिनमें समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता न मिलने को असंवैधानिक पाया गया था, हालाँकि उन सभी फैसलों में मुआवज़े की माँग को खारिज कर दिया गया था। छह मुकदमों में अंतिम फैसला सुनाते हुए, पीठासीन न्यायाधीश अयुमी हिगाशी ने कहा कि समलैंगिक विवाह से जुड़े मुद्दों पर पहले संसद में गहन चर्चा होनी चाहिए। क्योडो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अगले साल किसी समय एक एकीकृत फैसला सुनाए जाने की उम्मीद है। ताज़ा मामले में, 40 से 60 वर्ष की आयु के आठ वादियों ने 10 लाख येन (6,400 अमेरिकी डॉलर) का हर्जाना मांगा, यह तर्क देते हुए कि समलैंगिक विवाह पर नागरिक कानून का प्रतिबंध समानता और विवाह की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है। क्योडो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने इस दावे को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संविधान विवाह को एक पुरुष और एक महिला के बीच के रिश्ते के रूप में परिभाषित करता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

इमरान खान के बेटे की सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप, क्या पाक सरकार अब इमरान के जिंदा होने का सबूत देगी ?

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे कासिम खान ने दावा किया है कि उनके पिता को ''मौत की कोठरी में पूर्ण अंधकार और शून्य पारदर्शिता'' में रखा गया है। कासिम खान का कहना है कि पिछले कई सप्ताह से "ना कोई फ़ोन कॉल, ना कोई मुलाक़ात, ना ही कोई सबूत कि वो ज़िंदा हैं। मेरे और मेरे भाई का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है।" कासिम खान का आरोप है कि 845 दिनों से हिरासत में चल रहे इमरान खान को पिछले छह हफ्तों से अकेले पृथक–कोठरी में बंद किया गया है। उनकी बहनों को भी अदालत के आदेश होने के बावजूद मुलाक़ात की अनुमति नहीं दी जा रही है। कासिम ने आगे कहा कि शहबाज़ शरीफ़ सरकार और "उसके आकाओं" को "कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा।" उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से "तत्काल हस्तक्षेप" करते हुए 'प्रूफ ऑफ लाइफ' की मांग करने की अपील की। उधर, इमरान खान की बहन नूरीन नियाज़ी ने भी कहा है कि "यह पाकिस्तान का सबसे अंधकारमय दौर है।" उनके अनुसार, इमरान को लगातार कठोर परिस्थितियों में रखा जा रहा है और परिवार से संपर्क पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के अनुसार किसी कैदी को चार दिन से ज़्यादा आइसोलेशन में नहीं रखा जा सकता, लेकिन इमरान को पहले भी तीन हफ्तों तक पूरी तरह अंधेरे में रखा गया था और वही दोहराया जा रहा है। नूरीन नियाज़ी का कहना है कि परिवार को चार सप्ताह से मिलने नहीं दिया गया है और जेल के बाहर महिलाओं, बच्चों और बुज़ुर्गों के साथ अभूतपूर्व दुर्व्यवहार हुआ है। उन्होंने कहा कि "लोगों को बेरहमी से पीटा जा रहा है... यह हालात हिटलर के दौर जैसी दमनकारी स्थिति की याद दिलाते हैं।" उन्होंने चेतावनी दी कि जनता का गुस्सा "अब फटने के करीब" है। उन्होंने साथ ही कटाक्ष करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उन्हें कोई उम्मीद नहीं दिखाई देती क्योंकि "हमारे तानाशाहों के विदेशी समर्थक बहुत मजबूत हैं।'' दूसरी ओर पाकिस्तान सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह और कई वरिष्ठ पीटीआई नेताओं ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि "इमरान खान बिल्कुल ठीक हैं और उनके साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ है।" वहीं, पीटीआई ने फिर भी इमरान से मिलने की मांग की है, क्योंकि उन्हें तीन हफ्तों से न परिवार से मिलने दिया गया है और न वकीलों से। हम आपको बता दें कि अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान 14 साल की सज़ा काट रहे हैं। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र के उप–प्रवक्ता फरहान हक़ ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान से स्पष्ट रूप से मांग की है कि इमरान खान के मानवाधिकार और विधिक अधिकारों का सम्मान किया जाए। राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता आवश्यक है। देखा जाये तो इमरान खान की गिरफ़्तारी और जेल में उनके साथ व्यवहार का मुद्दा अब केवल पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति भर नहीं रह गया है, यह दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की परिभाषा, संवैधानिक व्यवस्था की विश्वसनीयता और मानवाधिकारों की वास्तविक स्थिति पर गहरा प्रश्नचिह्न बन चुका है। इस समय जो रिपोर्टें सामने आ रही हैंकृ चाहे वह कासिम खान और नूरीन नियाज़ी के दावे हों, या जेल के बाहर पीटीआई समर्थकों पर दमन, वे पाकिस्तान के राजनीतिक तंत्र की असलियत को बेनक़ाब करती हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में यह अस्वीकार्य है कि एक पूर्व प्रधानमंत्री को 'सबूत–ए–ज़िंदगी' के सवालों तक पहुंचा दिया जाए। अगर वास्तव में सब कुछ ठीक है, तो सरकार और जेल प्रशासन इस तरह के बुनियादी अधिकारों यानि मुलाक़ात, कानूनी सहायता और स्वास्थ्य संबंधी पारदर्शिता से क्यों डर रहे हैं? यह केवल इमरान खान का मामला नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के संस्थानों का सामूहिक चरित्र–परिचय है। जब किसी देश में विपक्षी आवाज़ों के लिए जगह सिकुड़ने लगती है, मीडिया को नियंत्रित किया जाता है, न्यायपालिका दबाव महसूस करती है और नागरिकों को पुलिस–बल के सामने असुरक्षित छोड़ दिया जाता है तो यह संकेत होता है कि राष्ट्र लोकतांत्रिक संकट में है। बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान की राजनीति में जो अस्थिरता, संस्थागत संघर्ष और फौजी प्रभाव बढ़ा है, उसने नागरिक शासन को लगभग खोखला बना दिया है। लोगों पर अत्यधिक बल प्रयोग, महिलाओं और बुजुर्गों पर हिंसा और सप्ताहों तक पूरी तरह संचार–विहीन कैद, ये सब किसी सशक्त लोकतंत्र के लक्षण नहीं हैं। सरकार का यह कहना कि "सब ठीक है", अपने आप में पर्याप्त नहीं है। यदि सब ठीक है तो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की चिंताओं का जवाब पारदर्शी निरीक्षण, स्वतंत्र मेडिकल रिपोर्ट और परिवार/कानूनी मुलाक़ातों की पुनर्बहाली के माध्यम से दिया जाना चाहिए। इस पूरे प्रकरण में एक गहरी विडंबना भी छिपी है कि पाकिस्तान आज जिस दमनकारी राजनीतिक ढांचे में फंसता जा रहा है, वह वही ढांचा है जिसे कभी सभी दलों ने अलग–अलग समय में बढ़ावा दिया है। सत्ता में रहते हुए संस्थागत सुधार कोई नहीं करता और जब व्यवस्था उनके ख़िलाफ़ होती है, तब वह अचानक दमनकारी प्रतीत होने लगती है। बहरहाल, इमरान खान को लेकर फैली अफ़वाहें, 'प्रूफ ऑफ लाइफ' की मांग और संयुक्त राष्ट्र का हस्तक्षेप, ये सब संकेत हैं कि पाकिस्तान एक गंभीर विश्वसनीयता संकट में है।

भागते हुए सेना ने घेर लिया पूरा व्हाइट हाउस, अब तालिबान पर हमला करेंगे ट्रंप ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आव्रजन प्रस्तावों की एक व्यापक सीरिज का ऐलान किया। उन्होंने दुनिया के देशों से प्रवासन को स्थायी रूप से रोकने और संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यवस्था बहाल करने के लिए रिवर्स माइग्रेशन शुरू करने की कसम खाई। ट्रम्प ने तर्क दिया कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आव्रजन नीतियों ने देश को कमजोर कर दिया है, और दावा किया कि अमेरिका को पूरी तरह से उबरने के लिए समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह लाखों बिडेन अवैध प्रवेशों को समाप्त कर देंगे, जिनमें उनके द्वारा कथित तौर पर राष्ट्रपति जो बिडेन के ऑटोपेन के तहत अनुमोदित किए गए थे, और उन्होंने उन सभी को हटाने का वचन दिया, जिन्हें वह ष्संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए शुद्ध संपत्ति नहीं या हमारे देश से प्यार करने में असमर्थ मानते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सरकारी आवास वाइट हाउस से लगभग 500 मीटर की दूरी पर फायरिंग की वारदात हुई। आरोपी अफगान शरणार्थी रहमानुल्ला लकनवाल (29) ने वाइट हाउस वाले कैपिटल हिल में दो नेशनल गार्ड्स को पॉइंट ब्लैंक रेंज से गोली मार दी। गार्ड एंड्रयू वुल्फ (24) और साराह बेकस्ट्रॉम (20) की हालत गंभीर बताई गई है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। ट्रम्प ने इसे आतंकी घटना (एक्ट ऑफ टेरर) घोषित किया है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के नरक से पनपे आतंक के लिए अमेरिका कोई जगह नहीं है। उन्होंने अफगानिस्तान से शरणार्थियों की अमेरिका में एंट्री पर रोक के आदेश दिए हैं। ट्रम्प ने कहा, अमेरिका से अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने की कार्रवाई तेज होगी। अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने कहा, वाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाई गई है। 500 नेशनल गार्डस की तैनाती की गई है। अब कुल 3000 गार्ड्स वाइट हाउस की सुरक्षा में तैनात होंगे। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने कहा है कि अफगान शरणार्थियों के शिविरों में जांच शुरू कर दी गई है। आईसीई (इमिग्रेशन) एजेंट्स की स्पेशल टीम 10 राज्यों में रवाना की गई है। बता दें कि वाइट हाउस के पास इससे पहले 1975 में बम हमले की घटना हुई थी।

आरोपी अफगानिस्तान का है, कंधार में सीआईए के लिए भी काम कर चुका

आरोपी रहमानुल्ला अफगानिस्तान का है। वह 10 साल तक अफगान सेना में रहा। अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान वह अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की कंधार की श्जीरो यूनिटश में था। 2021 में उसे अमेरिका में शरण मिली थी। अभी रहमानुल्ला वॉशिंगटन के बैलिंगघम शहर में पत्नी और पांच बच्चों के साथ रहता था। अमेरिका ने 2021 में अफगानिस्तान छोड़ने के बाद वहां पर मददगार रहे लगभग 76 हजार अफगान नागरिकों को श्ऑपरेशन अलाइज वेलकमश में शरण प्रदान की थी।

बगराम एयरबेस पर नजर

राष्ट्रपति ट्रम्प घटना को एक्ट ऑफ टेरर घोषित कर अफगानिस्तान में री–एंट्री की फिराक में हैं। उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेनाओं को हटाने पर पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन पर हमला भी बोला है। साथ ही ट्रम्प की नजर पिछले कुछ समय से अफगानिस्तान में स्थित सामरिक रूप से बेहद अहम बगराम एयरबेस को वापस पाने पर भी है। बगराम को अमेरिका ने ही विकसित किया था। ट्रम्प ने पिछले दिनों अफगान तालिबान को इसे लौटाने को कहा था, लेकिन तालिबान नहीं माना।

पुतिन के इनकार के बाद कीव में कोहराम, Russia ने अचानक यूक्रेन पर दागे एक के बाद एक गोले

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव वार्ता के लिए एक प्रारंभिक बिंदु है। उन्होंने यूक्रेनी सेना से कहा कि वे पीछे हट जाएं, अन्यथा रूस की बड़ी सेना उन्हें पराजित कर देगी। पुतिन ने किर्गिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा के अंत में पत्रकारों से कहा, हमें बैठकर इस पर गंभीरता से चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हर शब्द मायने रखता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को एक समझौते के मसौदे के बजाय चर्चा के लिए रखे गए मुद्दों का एक समूह बताया। रूसी नेता ने कहा, अगर यूक्रेनी सैनिक अपने कब्जे वाले इलाकों से हट जाएं, तो शत्रुता समाप्त हो जाएगी। अगर वे नहीं हटते, तो हम बल के बूते ऐसा करेंगे। क्रेमलिन के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा पेश की गई शांति योजना के बारे में अब तक कुछ खास नहीं कहा है। ट्रंप द्वारा समझौते के लिए लगातार प्रयास किए जाने के बावजूद, पुतिन ने यूक्रेन में अपने लक्ष्यों से पीछे हटने की कोई इच्छा नहीं दिखाई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के उत्तरी सूमी क्षेत्र में एक रूसी ड्रोन हमले में 53 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बृहस्पतिवार तड़के यूक्रेन के ओदेसा और निप्रोपेत्रोव्यस्क क्षेत्रों पर भी हमला किया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए और आग लग गई। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात भर यूक्रेन पर 142 ड्रोन दागे। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा ने विभिन्न रूसी क्षेत्रों और काला सागर के ऊपर रात भर में 118 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। रूस का कहना है कि उसने आज शाम 12 यूक्रेनी ड्रोनों को रोका गया। यह अपडेट रूसी रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक टेलीग्राम चौनल के ज़रिए आया है। इसमें कहा गया है कि आज शाम 4 बजे से रात 8 बजे के बीच मॉस्को समयानुसार (13:00–17:00 GMT), रूसी वायु रक्षा बलों ने 12 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (UAV) को 'रोका और नष्ट'' किया।

4-5 दिसंबर को भारत में रहेंगे पुतिन, दोस्त मोदी के साथ बनाएंगे 'खास रणनीति'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4–5 दिसंबर 2025 को भारत की राजकीय यात्रा करेंगे। इस दौरान वह 23वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही दोनों नेता 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और मजबूत करने की रूपरेखा तय करेंगे तथा क्षेत्रीय–वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी

और उनके सम्मान में भोज का आयोजन करेंगी। हम आपको बता दें कि रक्षा सहयोग इस शिखर वार्ता का मुख्य केंद्र रहने वाला है। भारत द्वारा पाँच और S-400 ट्रायंफ वायु–रक्षा स्क्वाड्रन खरीदने की योजना तथा पहले से तैनात S-400 प्रणालियों के लिए बड़ी संख्या में सतह–से–वायु मिसाइलों की खरीद से जुड़े मुद्दे इन वार्ताओं में प्रमुख रूप से शामिल होंगे। हालाँकि, भारतीय वायुसेना द्वारा दो–तीन स्क्वाड्रन रूसी सु–57 पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान लेने पर अभी निर्णय लंबित है। दरअसल रूस इन विमानों को अमेरिकी F-35 लाइटनिंग–II के विकल्प के रूप में जोरदार तरीके से प्रस्तावित कर रहा है, लेकिन भारतीय वायुसेना भविष्य में स्वदेशी AMCA स्टेल्थ फाइटर (2035 तक) के आने को देखते हुए अभी किसी एक विकल्प पर नहीं पहुँची है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट सुरक्षा समिति पहले बैच के 84 सु–30डज्ञ् विमानों के 63,000 करोड़ रुपये के आधुनिकीकरण को मंजूरी देने वाली है। यह उन्नयन भारत में ही होगा, किंतु रूस इसमें तकनीकी सहयोग देगा। आधुनिकीकरण के बाद ये विमान आने वाले 30 वर्षों तक उन्नत हवाई युद्ध क्षमता से लैस रहेंगे। रक्षा खरीद में भारत को रूस और अमेरिका दोनों के साथ संतुलन साधना पड़ रहा है। अमेरिका, पिछले 15 वर्षों में भारत को 26 अरब डॉलर के रक्षा उपकरण बेच चुका है। इसके अलावा, हाल ही में 113 ळम–थ404 इंजन की खरीद और नौसेना के लिए डभ–60त हेलीकॉप्टरों के फॉलो–ऑन सपोर्ट पैकेज को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं, रूसी पक्ष ने आश्वासन दिया है कि 2018 में खरीदे गए पाँचै–400 स्क्वाड्रनों में से शेष दो स्क्वाड्रन नवंबर 2026 तक भारत को दे दिए जाएँगे, जो यूक्रेन युद्ध के कारण विलंबित थे। भारत ने लगभग 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्तै–400 मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी है, जिनकी मारक क्षमता 120 से 380 किमी तक है। ये मिसाइलें पाकिस्तान के साथ हालिया तनाव में उपयोग किए गए मौजूदा भंडार की पूर्ति तथा भविष्य की रणनीतिक तैयारी के लिए खरीदी जा रही हैं। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल ए.पी. सिंह ने S-400 को 'गेमचेंजर' बताते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस प्रणाली ने थ–16 और JF–17 श्रेणी के कम से कम पाँच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को 314 किमी की दूरी से मार गिराया, जो अब तक की रिकॉर्ड 'लॉन्गेस्ट किल' है। देखा जाये तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक भू–राजनीति में तेज़ी से बदलाव आ रहे हैं। अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है, यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा संरचना को अस्थिर कर दिया है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सामरिक तनाव नई ऊँचाइयों पर पहुँचा है। ऐसे में भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का न केवल द्विपक्षीय, बल्कि वैश्विक सामरिक परिप्रेक्ष्य में भी बड़ा महत्व है। हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का केंद्रीय सिद्धांत 'रणनीतिक स्वायत्तता' है यानि न तो पूर्ण अमेरिकी धुरी, न ही किसी एक शक्ति पर निर्भरता।

भारत में पहली बार इजरायल का बड़ा ऑपरेशन, पूरी दुनिया हैरान!

इजराइल भारत की मदद से भारत में ही एक ऐसा ऑपरेशन शुरू कर चुका है जो पूरी दुनिया को हैरान कर देगा। इस ऑपरेशन को लेकर इजराइल की संसद में एक प्रस्ताव तक पास कर दिया गया है। इजराइल चुपचाप और धीरे–धीरे भारत में रहने वाले करीब 6000 लोगों को अपने देश ले जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि भारत में रहने वाले इन लोगों को किसी नौकरी के लिए इजराइल नहीं ले जाया जा रहा बल्कि इन लोगों को हमेशा के लिए इजराइल के एक खास इलाके में बसाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि इजराइल अपने देश की सीमाओं को बचाने के लिए इन लोगों को लेकर जा रहा है। इसका पूरा खर्चा भी इज़राइल उठा रहा है जो करीब 90 मिलियन शेकेल यानी लगभग 240 करोड़ है। दरअसल इजराइल ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में रहने वाले बनेई मेनाशे समुदाय के बचे हुए 5800 यहूदियों को अपने देश में बसाने का फैसला किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।